मनेन्द्रगढ़
14 सितम्बर 2025 रविवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

भारत-पाकिस्तान...
@ पेज 7

मणिपुर में हिंसा के 2 साल बाद पीएम का दौरा

पीएम मोदी बोले: मैं आपके साथ, भारत सरकार आपके साथ, लोगों से की शांति के मार्ग पर चलने की अपील

● कहा- मणिपुर के जज्बे को सैल्यूट करता हूं ● सबसे ज्यादा प्रभावित चुराचांदपुर में रैली ● कांग्रेस बोली मणिपुर दौरा महज दिखावा

इंफाल/चुराचांदपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को मणिपुर दौरे पर हैं। राज्य में मई, 2023 में हिंसा भड़कने के बाद यह उनका पहला दौरा है। प्रधानमंत्री मणिपुर दौरे पर पहले चुराचांदपुर गए। यह कुकी बहुल इलाका है और हिंसा के दौरान सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में से एक था। पीएम ने चुराचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की नींव रखी। पीएम ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा- मणिपुर की यह धरती हौसलों और हिम्मत की धरती है।मैं मणिपुर के लोगों के जज्बे को सैल्यूट करता हूं।

पीएम ने कहा- मैं जीवन में इस क्षण को नहीं भूल सकता। मणिपुर के नाम में ही मणि है, ये वो मणि है दो आने वाले समय में पूरे नॉर्थ ईस्ट की चमक बढ़ाने वाली है। सरकार का पूरा प्रयास रहा है कि राज्य को विकास के काम में लगातार आगे ले जाए। पीएम मोदी चुराचांदपुर के बाद इंफाल जाएंगे। इंफाल में मैतेई समुदाय के लोग रहते है। 2023 में हिंसा के बाद, कुकी लोगों का इंफाल और मैतेई लोगों का चुराचांदपुर में आना-जाना बंद है।

पीएम मोदी 1988 में राजीव गांधी के बाद चुराचांदपुर जाने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा- शांति का रास्ता अपनाए, मैं आपके साथ हूं

पीएम मोदी ने कहा- मणिपुर के सभी संगठनों से अपील है कि शांति का रास्ता अपनाए, अपने बच्चों का भविष्य सुनिश्चित करें। मैं वादा करता हूं, मैं आपके साथ हूं, भारत सरकार आपके साथ है। मणिपुर के लोगों के साथ है।

मणिपुर में प्रधानमंत्री मोदी का दौरा महज दिखावा : खरगे

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 13 से 15 सितंबर तक मिजोरम, मणिपुर, असम और अन्य राज्यों के दौरे पर सवाल उठाते हुए कहा कि मणिपुर में उनका तीन घंटे का ठहराव चिंता का प्रतीक नहीं, बल्कि एक दिखावा मात्र है। खरगे ने एक्स पोस्ट में कहा कि आज इम्फाल और चुराचांदपुर में प्रधानमंत्री का रोड शो राहत शिविरों में पीड़ितों से मिलने से बचने का प्रयास है। उन्होंने मणिपुर हिंसा पर कहा कि 864 दिनों से चली आ रही इस हिंसा में लगभग 300 लोगों की जानें गई हैं, 67 हजार लोग विस्थापित हुए हैं और 1,500 से अधिक घायल हुए हैं। हिंसा के बाद से प्रधानमंत्री ने 46 विदेश यात्राएं की हैं, लेकिन अपने ही नागरिकों से सहानुभूति जताने के लिए मणिपुर की एक भी यात्रा नहीं की। उन्होंने कहा कि मणिपुर की प्रधानमंत्री की आखिरी यात्रा जनवरी 2022 में हुई थी, जो चुनावी रैलियों के लिए थी। खरगे ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी सरकार की थी और अब केंद्र सरकार फिर से टालमटोल कर रही है।

प्रियंका बोलीं- पीएम को मणिपुर जाने के बारे में बहुत पहले सोचना चाहिए था

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने केरल के वायनाड में मीडिया से बात की। प्रियंका ने प्रधानमंत्री मोदी के मणिपुर दौरे पर कहा- मुझे खुशी है कि उन्हें 2 साल बाद महसूस हुआ कि वहां जाना चाहिए। उन्हें बहुत पहले ही मणिपुर जाना चाहिए था। वायनाड सांसद ने कहा- यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि वहां जो कुछ भी हो रहा था, उन्होंने उसे इतने लंबे समय तक होने दिया। उन्हें इतने सारे लोगों को मरने दिया। लोगों को इतनी मुश्किलों से गुजरने दिया। भारत में प्रधानमंत्रियों की यह परंपरा नहीं रही है।

भागवत बोले- डर के चलते भारत पर टैरिफ लगाया गया

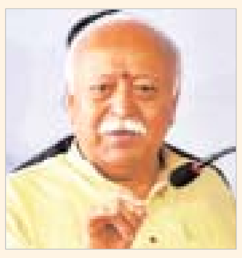

नागपुर, एजेंसी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि लोगों (अमेरिका) को डर है कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा, इसलिए टैरिफ लगाए जा रहे हैं।

भागवत ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा कि ऐसे कदम वो लोग उठाते हैं, जो खुद को हमेशा चर्चा में देखना चाहते हैं। भागवत ने ये बातें नागपुर में ब्रह्माकुमारी विश्व शांति सरोवर के 7वें स्थापना दिवस पर कहीं।

बिहार की जनता इसका मुंहतोड़ जवाब देगी, कांग्रेस के एआई वीडियो पर बोले जेपी नड्डा

पटना, एजेंसी। बिहार में हाल के दिनों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने वोट अधिकार यात्रा निकाली। इस यात्रा के दौरान कांग्रेसङ्कआरजेडी (राष्ट्रीय जनता दल) मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां को अपशब्द कहे गए, जिस पर भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। इस विवाद के बीच कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर एक एआई जेनेरेटेड वीडियो शेयर किया है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत मां के बीच एक काल्पनिक संवाद दिखाया गया है। कांग्रेस की ओर से शेयर किए गए इस वीडियो पर भाजपा ने कड़ा हमला बोला है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने पटना में एक दैनिक अखबार के कार्यक्रम में कहा कि कांग्रेस के मंच से पहले प्रधानमंत्री मोदी की मां को अपशब्द कहे गए और कल कांग्रेस का जो वीडियो आया है वो इस बात का प्रमाण है कि उनकी सोच कितनी गंदी है।

रबाढ़ से तबाह पंजाब को मिले 1600 करोड़ नाकाफी, सियासत गरमाई

राज्य ने मांगे थे 20,000 करोड़, नेता बोले- ऊंट के मुंह में जीरा

अमृतसर,एजेंसी। पंजाब में आई भयंकर बाढ़ के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 9 सितंबर को प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने गुरदासपुर में अधिकारियों, किसानों और एनडीआरएफ कर्मियों के साथ बैठक की। इसके बाद उन्होंने राज्य के लिए 1,600 करोड़ रुपए का राहत पैकेज घोषित किया। इसके साथ ही 12 हजार करोड़ा डिजास्टर मैनेजमेंट फंड का जिक्र कर राज्य में नई बहस छेड़ दी है।

पंजाब को बाढ़ राहत के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 1600 करोड़ रुपए के पैकेज को लेकर सियासत तेज हो गई है। कैबिनेट मंत्री बरिंदर गोयल ने कहा कि राज्य ने केंद्र से तीन बड़ी मांगें की थीं- 20 हजार करोड़ का राहत पैकेज, 60 हजार करोड़ का बकाया और 12 हजार करोड़ के इस्तेमाल से जुड़ी शर्तों में ढील। लेकिन केंद्र ने इन पर ध्यान देने के बजाय महज 1600 करोड़ दिए।

पंजाब में किसानों को सबसे अधिक मुआवजा

सीएम भगवंत मान बोले-किसानों को अकेला नहीं छोड़ेंगे, मृतकों के परिजनों को देंगे 4 लाख

पंजाब में बाढ़ से किसानों की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। लेकिन इस मुश्किल समय में आम आदमी पार्टी आप की सरकार ने किसानों को अकेला नहीं छोड़ा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तुरंत बड़ा फैसला लेते हुए घोषणा की कि हर प्रभावित किसान को 20 हजार प्रति एकड़ मुआवजा दिया जाएगा। यह सिर्फ पंजाब ही नहीं बल्कि पूरे देश में अब तक का सबसे बड़ा मुआवजा है। सरकार ने यह कदम सिर्फ कागजों पर नहीं बल्कि किसानों को तुरंत राहत देने के लिया है। हरियाणा में किसानों को फसलों का नुकसान अधिकतम 15 हजार प्रति एकड़, गुजरात में करीब 8 हजार 900 प्रति एकड़, मध्य प्रदेश में करीब 12 हजार 950 प्रति एकड़, उत्तर प्रदेश और राजस्थान में अधिकतर 5 हजार-7 हजार प्रति एकड़ तक राहत मिलती है।

वायुसेना को 114 राफेल चाहिए, रक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा,60प्रतिशत स्वदेशी सामान होगा

2 लाख करोड़ का सौदा संभव, यह सबसे बड़ी डिफेंस डील होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन एयर फोर्स को 114 मेड इन इंडिया राफेल लड़ाकू विमान की जरूरत है। इसके लिए सेना की तरफ से रक्षा मंत्रालय को प्रस्ताव भेजा जा चुका है।

इन विमानों को फ्रांसीसी कंपनी डसॉल्ट एविएशन और भारतीय एयरोस्पेस कंपनियां मिलकर बनाएंगी। मेड इन इंडिया राफेल में 60 परसेंट सामान स्वदेशी होगा।यह फैसला ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान के खिलाफ राफेल के शानदार प्रदर्शन के तुरंत बाद लिया गया है। इस प्रस्ताव की अनुमानित लागत 2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा है। रक्षा अधिकारियों ने एएनआई को बताया कि भारतीय वायु सेना की तरफ से केस स्टेटमेंट (SoC) या प्रस्ताव कुछ दिन पहले रक्षा मंत्रालय को प्राप्त हुआ था। रक्षा, वित्त सहित अन्य विभाग इस पर विचार कर रहे हैं। विचार-विमर्श के बाद, प्रस्ताव को रक्षा खरीद बोर्ड और उसके बाद रक्षा अधिग्रहण परिषद (DRC) के पास भेजा जाएगा। अगर फ्रांस के साथ यह सौदा हो जाता है तो भारत सरकार की अब तक की सबसे बड़ी डिफेंस डील होगी। भारतीय सेना में 176 राफेल विमान हो जाएंगे 114 राफेल की डील पूरी होने के बाद भारतीय सेना के बेड़े में राफेल विमानों की संख्या 176 हो जाएगी।

एडीआर फाउंडर प्रो छोकर का निधन

इलेक्टोरल बॉन्ड हटवाने जैसे 6 बड़े सुधार करवाए; रिटायरमेंट से पहले लॉ की पढ़ाई की ताकि याचिकाएं समझ सकें

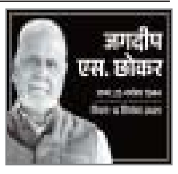

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव सुधारों के लिए काम करने वाले संगठन एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (ADR) के को-फाउंडर और चुनाव सुधारों के प्रबल समर्थक प्रो. जगदीप एस छोकर का शुक्रवार सुबह दिल्ली में हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे 81 साल के थे। प्रो. छोकर की इच्छा के अनुसार उनका शरीर रिसर्च के लिए लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज को डोनेट किया गया है।

हिमाचल के बिलासपुर में बादल फटा, मंडी में लैंडस्लाइड,10 गाड़ियां मलबे में दबीं

सड़क बही; 15 सितंबर से मानसून की वापसी संभव

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर के नम्होल में शुक्रवार देर रात बादल फटा। इससे 10 से ज्यादा गाड़ियां मलबे में दब गईं। सड़कें भी बह गई, कई घरों को भी नुकसान पहुंचा। वहीं, मंडी जिले के धर्मपुरमें सपड़ी रोह गांव में शनिवार सुबह 4 बजे लैंडस्लाइड हुई। कई घर मलबे से घिर गए हैं। 8 घर खाली कराए गए हैं। राज्य में बारिश-बाढ़ से मरने वालों का आंकड़ा 386 पहुंच गय है। राज्य में इस सीजन में सामान्य से 43% ज्यादा बारिश हो चुकी है। एक जून से 12 सितंबर के बीच 678.4mm

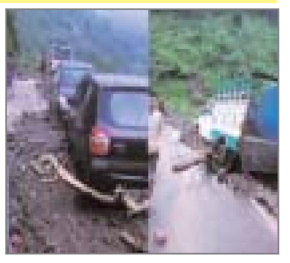

बारिश होती है, इस बार 967.2mm बारिश हो चुकी है। यूपी के उन्नाव में गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 23cm ऊपर है। यहां 80 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। 100 से ज्यादा परिवार बेघर हैं। फर्रुखाबाद में गंगा के किनारों का कटान तेज हो गया है। ग्रामीण अपने मकानों को खुद तोड़ रहे हैं। ईंट-सरिया निकालकर साथ ले जा रहे हैं।मौसम विभाग के मुताबिक इस साल दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी 15 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान से शुरू हो सकती है। आमतौर पर मानसून 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से लौटना शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह लौट जाता है।

रायपुर में 'न्यूड पार्टी'...लड़के-लड़कियों को बिना कपड़े बुलाया

ड्रग्स परोसे जाने का दावा; पोस्टर वायरल होते ही बवाल, कांग्रेस बोली- आयोजन होने नहीं देंगे

रायपुर, एजेंसी। रायपुर में ड्रग्स सिंडिकेट मामले के बाद अब न्यूड पार्टी को लेकर विवाद हो रहा है। दरअसल सोशल मीडिया में न्यूड पार्टी के आयोजन का अलग-अलग नामों से पोस्टर वायरल हो रहा है, जिसमें लड़के-लड़कियों को बिना कपड़े शामिल होने को कहा गया है, अब इसे लेकर बवाल मच गया है।

वायरल पोस्टर में इस पार्टी को अलग-अलग नाम दिया गया है और दावा किया जा रहा है कि आयोजन में पूल पार्टी होगी, ड्रग्स परोसे जाएंगे। कांग्रेस नेता ने इसका खुलकर विरोध किया है। कन्हैया अग्रवाल ने साफ कहा है कि इस तरह का आयोजन वे रायपुर में नहीं होने देंगे। वे इसका खुलकर विरोध करेंगे।

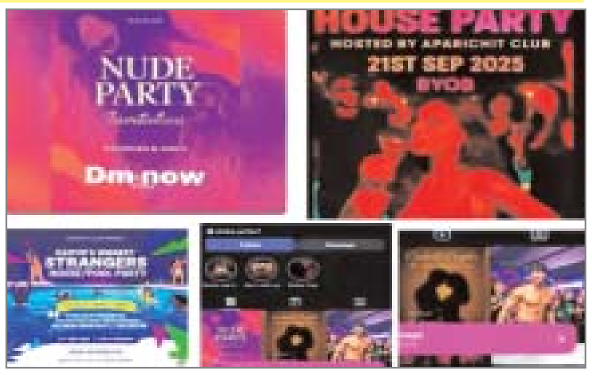

अलग-अलग नामों से पार्टी का आयोजन- इंस्टाग्राम और अन्य प्लेटफॉर्म्स पर बीते कुछ दिनों से कथित न्यूड पार्टी, स्ट्रेंजर पार्टी, हाउस पूल पार्टी जैसे आयोजनों के इन्विटेशन वायरल हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि इन पोस्टर्स के जरिए युवाओं को पार्टी के नाम पर आकर्षित किया जा रहा है।

इन विज्ञापननुमा पोस्टर्स में पार्टी का समय और तिथि भी दर्ज है, जिसमें 21 सितंबर को रायपुर में आयोजन होने का दावा किया गया है। वायरल पोस्टर्स में शराब और ड्रग्स परोसे जाने के संकेत मिलने के बाद अब नग्नता के आकर्षण का लालच दिए जाने की बात सामने आ रही है।

कांग्रेस ने किया विरोध, कहा- आयोजन होने नहीं देंगे : कांग्रेस नेता कन्हैया अग्रवाल ने इन आयोजनों का खुलकर विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया में पोस्ट कर लिखा - इन आयोजनों को किसका संरक्षण है... शराब, ड्रग्स परोसने के बाद अब नग्नता परोसने की बारी...21 सितम्बर का ये आयोजन रायपुर में नहीं होने देंगे। अपने शहर को दागदार नहीं होने देंगे।

अग्रवाल ने आगे कहा कि वह आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (SSP) रायपुर से मुलाकात करेंगे और इस पूरे मामले पर सख्त कार्रवाई की मांग करेंगे। उनका कहना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह के विज्ञापन के पीछे कौन लोग हैं और कौन उनका संरक्षण कर रहा है, इसकी जांच की जानी चाहिए।

51 किमी. की रेल लाइन से मिजोरम दिल्ली से जुड़ा

कुतुबमीनार से ऊंचा भारत का दूसरा ब्रिज; पीएम मोदी ने उद्घाटन किया

आइजोल,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को मिजोरम की पहली रेल लाइन बैराबी-सायरंग का उद्घाटन किया। 51 किमी लंबी बैराबी-सायरंग रेलवे लाइन के जरिए मिजोरम की दिल्ली, गुवाहाटी और कोलकाता से सीधी रेल कनेक्टिविटि हो गई है। इस रेलवे रूट में 45 सुरंग, 88 छोटे और 55 बड़े ब्रिज हैं। इसके अलावा 114 मीटर ऊंचा देश का दूसरा पियर ब्रिज भी है, जो कुतुब मिनार (72 मीटर) से भी ऊंचा है। पीएम ने कहा, लंबे समय से हमारे देश की कुछ राजनीतिक पार्टियां वोट बैंक पॉलिटिक्स कर रही हैं। जिन्होंने मिजोरम को अनदेखा किया, लेकिन आज मिजोरम फ्रंटलाइन में हैं। दरअसल, पीएम मोदी 2 दिन के नॉर्थ ईस्ट दौरे पर हैं। वे सुबह मिजोरम के आईजोल पहुंचे, यहां लेंगपुई एयरपोर्ट से 9000 करोड़ के प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया।इसके बाद पीएम मणिपुर के लिए रवाना हुई। यहां चुराचांदपुर और इंफाल में प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन करेंगे, साथ ही शाम 5 बजे असम के गुवाहाटी में भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह में शामिल होंगे। सायरंग से दिल्ली ट्रेन की वजह से अब यह राज्य राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सीधे जुड़ गया है। यह ट्रेन हफ्ते में एक दिन चलेगी और 2510 किमी का सफर 45 घंटे 30 मिनट तय करेगी। एवरेज स्पीड 57.81 किमी प्रति घंटे होगी।

सायरंग-कोलकाता ट्रेन सप्ताह में 3 दिन चलेगी। कोलकाता से सायरंग के बीच की 1530 किमी की दूरी 31.15 घंटे में पूरी होगी। यह ट्रेन सप्ताह में शनिवार, मंगलवार और बुधवार को चलेगी। इस ट्रेन की एवरेज स्पीड 48.96 किमी प्रति घंटे होगी।

एमसीडी की सबसे प्रभावशाली स्थायी समिति को किया जा रहा नजरअंदाज, निगम की कार्यप्रणाली कठघरे में

नई दिल्ली, एजेंसी। एमसीडी की सबसे अधिक अधिकार संपन्न और प्रभावशाली मानी जाने वाली स्थायी समिति को लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। एमसीडी की निर्णय प्रक्रिया में स्थायी समिति की भूमिका महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि वित्तीय और बड़े नीतिगत प्रस्ताव पहले समिति में पेश होते हैं और वहां से स्वीकृत होने के बाद ही सदन तक पहुंचते हैं। इसके बावजूद अधिकारियों ने कई अहम फैसले सीधे महापौर से स्वीकृत करवा लिए या फिर उन्हें सीधे सदन में रख दिया। इस तरह न केवल समिति की उपयोगिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं बल्कि एमसीडी की कार्यप्रणाली कठघरे में है। दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार के दौरान जब स्थायी समिति का गठन नहीं हुआ था, तब अधिकारी योजनाओं के अटकने और कामकाज में रुकावट का ठीकरा इसी पर फोड़ते थे। अब जबकि समिति का गठन हो चुका है, उसका महत्व लगातार घटाया जा रहा है। स्थायी समिति की उपेक्षा का सबसे ताजा उदाहरण दो दिन पहले एक बार फिर देखने को मिला। अधिकारियों ने भलस्वा, गाजीपुर और ओखला लैंडफिल साइट से कचरा हटाने के तीसरे चरण की योजना के टेंडर करने की प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में समिति अध्यक्ष को नजरअंदाज कर सीधे महापौर से स्वीकृति ले ली।

यह मामला अधिकारियों को काफी भारी पड़ गया, क्योंकि इस मामले को लेकर एमसीडी में हंगामा मचा हुआ है। इससे पहले अधिकारियों ने संपत्ति कर 10 प्रतिशत छूट योजना 31 जुलाई से एक महीने बढ़ाकर 31 अगस्त तक करने के मामले में भी स्थाई समिति की उपेक्षा की थी। उन्होंने जुलाई के अंत में इस बारे में प्रस्ताव भी समिति अध्यक्ष की बजाय सीधे महापौर से मंजूर करवा लिया था। यह वित्तीय अधिकारों का मामला था जिसे समिति अध्यक्ष के सामने लाना चाहिए था। 12 जून को गठित स्थायी समिति की अब तक तीन बैठकें (27 जून, 16 जुलाई और 20 अगस्त) हुई हैं, लेकिन कई बड़े प्रस्तावों को समिति की बैठक में प्रस्तुत किए बिना सीधे सदन में पेश कर दिए। सदन की बैठक में 10 जुलाई को दो अहम प्रस्ताव रखे गए, जो फैक्टरी लाइसेंस प्रक्रिया को सरल बनाने और मनोनीत पार्षदों को विकास निधि देने संबंधी थे। यह प्रस्ताव पूर्णतः नीतिगत और वित्तीय अधिकारों से संबंधित है। लिहाजा दोनों ही प्रस्ताव समिति से होकर गुजरने चाहिए थे। वहीं 21 अगस्त की सदन बैठक में भी यही पैटर्न दोहराया गया।

संपत्ति के अधिकारों में गृहणियों की भूमिका को मिले मान्यता, कहा- पहचानी जाए उनकी भूमिका

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने परिवार में गृहणियों (होममेकर) की भूमिका को पहचान देने की बात कही है। अदालत ने कहा कि अब समय आ गया है कि गृहिणियों की भूमिका को, जो अक्सर छिपी और कम आंकी जाती है, संपत्ति के स्वामित्व अधिकारों के संदर्भ में मान्यता दी जाए। कोर्ट ने इस बात पर अफसोस जताया कि वर्तमान में ऐसा कोई वैधानिक तंत्र नहीं है जो गृहिणियों के योगदान को मान्यता दे या उनके मूल्य को निर्धारित करे। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरीश वैद्यनाथन शंकर की खंडपीठ ने 11 सितंबर को एक महिला की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में महिला ने पारिवारिक अदालत के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी संपत्ति में 50 प्रतिशत स्वामित्व की मांग को खारिज कर दिया गया था।

हाईकोर्ट ने पारिवारिक अदालत के आदेश को बरकरार रखते हुए कहा कि केवल वैवाहिक घर में पत्नी के रहने से उसे पति के नाम पर दर्ज संपत्तियों पर स्वामित्व का अखंडनीय अधिकार नहीं मिल जाता। खंडपीठ ने कहा, वैवाहिक संबंध केवल एक सामाजिक व्यवस्था नहीं है, बल्कि एक कानूनी रूप से मान्यता प्राप्त साझेदारी है, जो विवाह के सार और फल को समेटे हुए है। यह दोनों पति-पत्नी के सामान्य प्रयासों पर आधारित एक संयुक्त उद्यम है, जिसमें वित्तीय, भावनात्मक या घरेलू योगदान परिवार की स्थिरता और कल्याण के लिए अभिन्न हैं। महिला ने तर्क दिया था कि एक गृहिणी के रूप में उनकी भूमिका ने उनके पति को नौकरी करने और परिवार की संपत्तियों के अधिग्रहण में योगदान देने में सक्षम बनाया। इसलिए, विवाह के दौरान हासिल की गई किसी भी संपत्ति को, चाहे वह पति या पत्नी के नाम पर हो, उनके संयुक्त प्रयासों का परिणाम माना जाना चाहिए।

हथियार के साथ आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अवैध हथियार के साथ एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित के पास से एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पकड़ा गया आरोपित पहले भी 25 लाख रुपये की लूट की वारदात में शामिल रह चुका है।क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शनिवार को बताया कि नौ सितंबर को सिपाही विवेक राणा को गुप्त सूचना मिली कि सेक्टर-11, रोहिणी इलाके में एक युवक अवैध हथियार के साथ आने वाला है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने केएन कार्टजू मार्ग, रोहिणी में जाल बिछाया। टीम ने आरोपित को मौके पर दबोच लिया। जांच में आरोपित की पहचान आकाश (21) के रूप में हुई। वह सेक्टर-11 रोहिणी का रहने वाला है। तलाशी के दौरान आकाश की जींस की जेब से एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस मिले। हथियार जब्त कर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। पुलिस उपायुक्त के अनुसार जांच में सामने आया कि आरोपित आकाश गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है। उसके पिता रिक्शा चालक हैं और मां गृहिणी है। उसने पढ़ाई बीच में ही छोड़ दी थी। गलत संगत में पड़कर वह अपराध की दुनिया में कदम रख बैठा। साल 2024 में उसने अपने साथी राहुल यादव के साथ मिलकर पीतमपुरा टीवी टॉवर के पास 25 लाख रुपये की लूट की वारदात को अंजाम दिया था। उस समय उससे तीन लाख रुपये की नकदी बरामद हुई थी। जेल से बाहर आने के बाद आकाश ने दोबारा आपराधिक गतिविधियां शुरू कर दीं। करीब दो महीने पहले उसने अपने साथी लल्ला के जरिए अयोध्या के पास रहने वाले सत्याम उर्फ सौरव से 58 हजार रुपये में पिस्टल और 10 कारतूस खरीदे थे। वह नई वारदात की फिराक में था लेकिन इससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया।

वाहन चोरी के मामले में छह आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी जिले की एंटी-नारकोटिक्स टीम ने अंतरराज्यीय वाहन चोरी गैंग का भंडाफोड़ करते हुए गैंग के मास्टरमाइंड समेत छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। यह गैंग दिल्ली और आसपास के इलाकों से लग्जरी गाड़ियां चुराकर उप्र और पूर्वोत्तर राज्यों में बेचता था। पुलिस ने गैंग के पास से क्रेटा और किआ सेल्टॉस समेत करीब एक करोड़ रुपये की कीमत की लग्जरी गाड़ियां, मास्टर चाबी, फर्जी नंबर प्लेट और नकली आरसी बरामद की हैं। पुलिस ने गैंग के खिलाफ संगठित अपराध की धारा भी जोड़ी है। पुलिस ने शनिवार को बताया कि 27 अगस्त को पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपित काज़िम हुसैन (25) फिर से चोरी की वारदातों में सक्रिय है। स्पेशल टीम ने गाज़ीपुर इलाके में जाल बिछाकर काजिम को चोरी की क्रेटा कार के साथ दबोच लिया। पूछताछ में उसने खुलासा किया कि वह अपने साथियों के साथ मिलकर दिल्ली से गाड़ियां चुराता और उन्हें अलीगढ़ व पूर्वोत्तर राज्यों में बेचता था।
इसी दौरान उसकी निशानदेही पर उसके साथी खुशनवाज, ताज मोहम्मद, अबुज़र उर्फ सोनू को भी पकड़ा गया। वहीं सूचना साझा करने पर बिहार पुलिस ने भी अबुज़र को एक चोरी की कार के साथ गिरफ्तार किया। जांच के दौरान गैंग के दो और रिसीवर अलीगढ़ के आमिर मलिक और आसिफ खान भी गिरफ्तार किए गया। इनके पास से एक चोरी की कार बरामद हुई। पुलिस ने अब तक कुल चार वाहन चोरी के मामलों का खुलासा कर किया है।

काठमांडो हिंसा से दिल्लीवालों के अरमान ठंडे, घूमने का प्लान चौपट; फंसे लोग वापसी की कोशिश में

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमालय की गोद में बसे काठमांडू के मंदिरों और ट्रेकिंग रूट की चमक वहां चल रही अशांति के चलते फीकी पड़ गई है। विशेष रूप से पर्यटन व व्यापार पर बुरा असर पड़ा है। इस सबके बीच सितंबर की छुट्टियों में काठमांडू जाने की योजना बना रहे दिल्लीवासियों के लिए यह आंदोलन किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हो रहा है। इसके चलते दिल्ली-काठमांडू मैत्री बस सेवा ठप हो गई है। वहीं, हवाई उड़ानें रद्द हैं। बुकिंग शून्य और सभी प्री-बुकिंग्स रद्द होने से पर्यटन उद्योग संकट में है। दिल्ली से नेपाल जाने वाले पर्यटकों ने यात्रा पूरी तरह बंद कर दी गई है। ट्रैवल एजेंट्स ने बताया कि नई बुकिंग शून्य हो चुकी है और जिन्होंने प्री बुकिंग करवाई थी उन सभी ने स्थिति को देखते हुए इसे रद्द कर दिया है। हालांकि, लोगों का नेपाल से दिल्ली आना लगा हुआ है। यह संकट पर्यटकों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे कारोबारी भी ग्रस्त है। दिल्ली के कई कारोबारियों का करोड़ों का सामान नेपाल के रास्ते में फंसा हुआ है, कुछ सामान नेपाल पहुंच गया है, जिसमें उनका पैसा लगा हुआ है और कुछ ऑर्डर यहां तैयार पड़े है। हालांकि, नेपाल के बिगड़ते हालात को देखते हुए व्यापारियों को काफी नुकसान पहुंचा है।

बोले व्यापारी: सदर बाजार बारी मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने बताया कि सदर बाजार सहित पुरानी दिल्ली से नेपाल में काफी मात्रा में सामान जाता है। उन्होंने बताया कि यह बाजार नेपाल सहित अन्य देशों में भी अपने उत्पादों का निर्यात करता है। उन्होंने बताया कि सदर बाजार में गृहस्थी की विभिन्न वस्तुओं की थोक बिक्री होती है। ऐसे में यहां से बर्तन, क्रॉकरी, आकर्षक ज्वैलरी, खिलौने, स्टेशनरी, टेलरिंग मैटेरियल, गारमेंट्स, क्रोकरी, शूज, चप्पल और अन्य उपहार की वस्तुएं काफी तादाद में नेपाल भेजी जाती हैं।

रास्ते बंद, बस-फ्लाइट पर संकट: दिल्ली से काठमांडू के लिए यातायात के साधन सीमित हो चुके हैं। नेपाल जाने के लिए फ्लाइट और बस दो मुख्य साधन है। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट से काठमांडू के त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक एयर इंडिया, इंडिगो और अन्य एयरलाइंस की डायरेक्ट फ्लाइट्स चलती हैं, जो 1.5 घंटे में पहुंचा देती हैं।

लेकिन आंदोलन से एयरपोर्ट बंद होने के कारण सभी फ्लाइट्स कैंसिल हैं। केवल इमरजेंसी इवैक्यूएशन फ्लाइट्स चालू हैं, जो फंसे भारतीयों को निकाल रही हैं। दूसरी ओर, सड़क मार्ग से दिल्ली से काठमांडू की दूरी करीब 1,100 किमी है, जो 25-28 घंटे में तय होती है। कश्मीरी गेट से रोज 20 बसें (ज्यादातर वॉल्वो एसी स्लीपर) चलती थी, जिसका किराया 2,800-3,100 रुपये होता था। लेकिन अब दिल्ली पंजीकरण वाली बसें पूरी तरह बंद हैं। नेपाली बसें आधी क्षमता से चल रही हैं। इनकी भी बुकिंग महज 20 फीसदी है।

12 दिन में भारतीय का आगमन शून्य: नेपाल टूरिज्म बोर्ड (एनटीबी) के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2024 में भारत से 22,984 पर्यटक नेपाल पहुंचे थे, जो कुल आगमन (96,305) का एक बड़ा हिस्सा था। लेकिन 2025 में आंदोलन की वजह से सितंबर के पहले 12 दिनों में ही भारतीय आगमन लगभग शून्य हो चुका है। एयरपोर्ट बंद होने और एडवाइजरी से नई यात्राएं रुक गई हैं। विशेषज्ञों का अनुमान है कि पूरे महीने में 80-90 फीसदी की गिरावट आएगी। 2024 में ही कुल भारतीय आगमन 3,17,772 रहा, जो मानसून की तबाही और सड़क हादसों की वजह से 2023 के 3,19,936 से 0.68 फीसदी कम था। लेकिन 2025 का यह संकट पर्यटन उद्योग को साल भर पीछे धकेल सकता है, क्योंकि नेपाल का 25 फीसदी पर्यटन भारत पर निर्भर है।

2024 में 23 हजार भारतीय गए थे नेपाल: ट्रैवल एजेंट संजय सम्राट ने बताया कि नेपाल का हाल देखकर पर्यटक डर रहे हैं। उन्होंने सभी बुकिंग रद्द कर दी है। उन्होंने बताया कि सर्दी शुरू ही होने वाली है, खूब पर्यटक इस दौरान घूमने जाते है लेकिन हालात ऐसे है कि सीजन खराब हो गया, हालांकि सुरक्षा पहले है। उन्होंने यह भी बताया कि गिरावट 100 फीसदी से ज्यादा लग रही है, ऐसे में कोई जोखिम नहीं लेंगे। वहीं, एक अन्य ट्रैवल एजेंट ने बताया कि दिल्ली से दो ग्रुप कैंसल हुए, इनमें 15 लोग थे। उन्होंने बताया कि 2024 में 23 हजार भारतीय सितंबर में गए थे, लेकिन इस साल यह संख्या शून्य पर अटकी है। उन्होंने बताया कि पर्यटक अब गोवा या श्रीलंका चुन रहे हैं।

मुस्लिम लड़कियों से शादी करने वाले युवक थे आतंकियों के निशाने पर, मारना चाहते थे एक नेता को

नई दिल्ली, एजेंसी। आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) के समर्थित पेन इंडिया टेरर मॉड्यूल के सदस्य मुंबई में राजनेता की हत्या करना चाहते थे। साथ ही ये पूरे भारत में उन युवाओं की हत्या करना चाहते थे जो मुस्लिम लड़कियों से शादी करते हैं। ये सनसनीखेज खुलासा मॉड्यूल के गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों ने किया है। इस खुलासे से देश की सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद सिंह कुशवाह ने बताया कि आरोपी संदिग्ध आतंकी अपने मॉड्यूल की क्षमता(सदस्य) बढ़ा रहे थे। मॉड्यूल के सदस्य आफ़ताब नासिर कुरैशी व सूफियान अबूबकर को राजनेता की टारगेट किलिंग करने का जिम्मा सौंपा गया था। इसके लिए ये लोग दिल्ली हथियार लेकर आए थे। इन्होंने मेवात से हथियार दिल्ली मंगाए थे। एक शख्स इन्हें हथियार देने मेवात से दिल्ली देने आया था। जब ये हथियार लेकर ट्रेन से मुंबई रवाना होने वाले थे तभी स्पेशल सेल में तैनात एसीपी राहुल विक्रम व इंस्पेक्टर विनयपाल की टीम ने उसे व सूफियान को गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से पिस्टल व कारतूस बरामद किए गए हैं।

एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मध्यप्रदेश से जिस संदिग्ध आतंकी कामरान को गिरफ्तार किया गया है वह मुस्लिम लड़कियों से शादी करने वाले युवाओं की हत्या का जिम्मा सौंपा गया था। गिरोह सरगना दानिश ने भी तेलंगाना से हथियार खरीद लिए थे।

मॉड्यूल की क्षमता बढ़ा रहे थे: दिल्ली पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी खासकर दानिश आईएस के पाकिस्तान समर्थित आतंकी मॉड्यूल अपने गिरोह की क्षमता बढ़ा रहे थे। इन लोगों ने देश के 80 से ज्यादा युवाओं को गुमराह कर मॉड्यूल से जोड़ लिया था।

हाईकोर्ट के बाद ताज पैलेस होटल को बम की धमकी वाला आया ईमेल, सूचना से मचा हड़कंप

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट को बम से उड़ने की धमकी मिलने के एक दिन बाद शनिवार को धौला कुआं के पास स्थित पांच सितारा होटल ताज पैलेस को भी बम से उड़ने की धमकी मिली है। होटल के मैनेजमेंट के पास रात 2ः00 बजे धमकी भरा ई-मेल आया था। सुबह उन्होंने मेल को चेक किया तो इसकी जानकारी पुलिस को दी। चाणक्यपुरी थाना पुलिस ने डॉग स्क्वाड, बम निरोधक दस्ते आदि से होटल के सभी फ्लोर की चेकिंग करवाई गई। पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। कल शुक्रवार को दिल्ली हाईकोर्ट में भी इसी तरह का ई-मेल भेजकर धमकी दी गई थी, जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था। इससे पहले भी दिल्ली में समय-समय पर इसी तरह ई-मेल के जरिए अलग-अलग स्कूलों और सरकारी संस्थानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिलती रही हैं। लेकिन जांच पड़ताल में पुलिस को कुछ भी संदिग्ध नहीं मिलता।

पूर्व में अदालतों को मिले फर्जी बम के मेलः 15 फरवरी 2024- दिल्ली हाईकोर्ट में बम विस्फोट किए जाने की धमकी दी गई। पुलिस द्वारा जांच और निरीक्षण के बाद इसे फर्जी करार दिया गया। 16 अप्रैल 2025 द्वारका जिला अदालत में बम रखे होने की सूचना दी गई। जिसके बाद पूरे अदालत परिसर को खाली कराकर जांच की गई। 1 मई 2025 दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार को नोटिस जारी करते हुए बम होने की धमकी या बम ब्लास्ट के संबंध में उपलब्ध संसाधनों और अन्य पर पूरी जानकारी देने का निर्देश दिया।

इस साल जनवरी से लेकर अगस्त के बीच 100 से ज्यादा स्कूलों को मिल चुकी हैं ऐसी ही धमकीः दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, जनवरी से अगस्त के बीच दिल्ली-एनसीआर के करीब 100 से ज्यादा शैक्षणिक संस्थानों को ऐसी ही धमकियां मिल चुकी हैं। इनमें डीपीएस वसंत विहार, अमेटी स्कूल साकेत, सलवान पब्लिक स्कूल, मॉडर्न स्कूल, वसंत वैली स्कूल, सेंट स्टीफंस कॉलेज और श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) जैसे संस्थान शामिल हैं।

जुलाई में चार दिनों में 50 से ज्यादा स्कूलों को मिली थी धमकीः जुलाई में चार दिनों में 50 से ज्यादा स्कूलों को बम की झूठी धमकी मिली थी। 17 जुलाई को पुलिस ने एक 12 वर्षीय बच्चे को गिरफ्तार किया था, जिसने सेंट स्टीफंस कॉलेज और सेंट थॉमस स्कूल को धमकी ई-मेल भेजा था। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि अब तक सभी धमकियां झूठी साबित हुई हैं, लेकिन हर मामले को पूरी गंभीरता से लिया जाता है।

इस्राइल ने पाकिस्तान को दिखाया आईना, लादेन का नाम लेकर यूएनएससी में इस्लामाबाद की बोलती बंद कर दी

न्यूयॉर्क,एजेंसी। इस्राइल ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए उस पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। इस्राइल ने कहा कि पाकिस्तान इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन उनकी धरती पर मारा गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। दरअसल पाकिस्तान ने कतर में इस्राइली हमले की निंदा की और पूछा कि विदेशी धरती पर आतंकवादी को निशाना क्यों बनाया गया इस पर इस्राइली राजदूत ने तीखा जवाब देते हुए पाकिस्तानी प्रतिनिधि की बोलती बंद कर दी। इस्राइली प्रतिनिधि डैनी डैनन ने कहा कि जब ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मार गिराया गया था, तब तो सवाल यह नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया

संयुक्त राष्ट्र की बैठक में इस्राइल ने पाकिस्तान को लताड़ाः संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की न्यूयॉर्क शहर में हुई बैठक,ओसामा बिन लादेन द्वारा आयोजित 9/11 के आतंकवादी हमलों की 24वीं बरसी पर हुई। इस बैठक में इस्राइली और पाकिस्तान के दूतों के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में हुए हमले को लेकर हुई, जिसमें इस्राइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाया। अपने संबोधन में पाकिस्तान के दूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने कतर के खिलाफ इस्राइल के हमले को अवैध और अकारण आक्रामक करार दिया और हमले की कड़ी निंदा की। पाकिस्तान ने कहा कि निरंतर आक्रामकता क्षेत्रीय शांति को कमजोर करती है। पाकिस्तानी दूत ने गाजा में इस्राइली सैन्य कार्रवाइयों को क्रूर बताया और कहा कि सीरिया, लेबनान, ईरान और यमन पर बार-बार हमले कर इस्राइल ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है।

इस्राइल ने पाकिस्तान की बोलती बंद कीः पाकिस्तान के आरोपों का जवाब देते हुए इस्राइल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनन ने पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद की ओर हाथ उठाते हुए कहा, जब बिन लादेन को पाकिस्तान में मारा गया था, तो तब यह सवाल क्यों नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया सवाल यह था कि आखिर एक आतंकवादी को पनाह क्यों दी गई बिन लादेन को कोई छूट नहीं थी, और हमास को भी कोई छूट नहीं मिल सकती।

नेपाल की नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री से भारतीय राजदूत की मुलाकात

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल की नवनियुक्त अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की से नेपाल में भारत के राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने मुलाकात कर उन्हें बधाई दी। साथ ही नेपाल को इस संकट की घड़ी से बाहर निकलने में हरसंभव मदद का भरोसा भी दिया।

राष्ट्रपति भवन शीतल निवास में सुशीला कार्की के अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण करने के तुरंत बाद सुशीला कार्की से मिलने वाले सबसे पहले विदेशी कूटनीतिज्ञ भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव हैं। उन्होंने कार्की को उनकी नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई तथा अपनी शुभकामनाएं भेजी है। भारत की बधाई स्वीकार करते हुए सुशीला कार्की ने कहा कि नेपाल के इस संकटपूर्ण समय से बाहर निकलने में भारत से बड़े मदद की अपेक्षा रखती हैं। कार्की ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि भारत हमेशा की तरह नेपाल जनता के हित में अपने सभी सहयोग को जारी रखेगा।

नेपालः प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही सुशीला कार्की ने खींची नई लकीर

काठमांडू,एजेंसी। देश की पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की ने नेपाल की अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है। राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार देर शाम शीतल निवास में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। वह नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री और कार्यकारी प्रमुख बनीं। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा फैसला लेते हुए संसद के विघटन और 5 मार्च को आम चुनाव कराने की सिफारिश की जिसे राष्ट्रपति ने मंजूर कर लिया। राष्ट्रपति पौडेल ने संविधान के अनुच्छेद 61 के तहत कार्की को प्रधान मंत्री के रूप में नियुक्त किया। 2015 में नए संविधान की घोषणा के बाद से, पिछली सभी सरकारें अनुच्छेद 76 के तहत बनाई गई थीं। हालांकि, कार्की -

जिन्होंने युवाओं के नेतृत्व वाले जनरल-जेड आंदोलन के समर्थन से पदभार संभाला - को अनुच्छेद 61 के तहत नियुक्त किया गया था, जो एक महत्वपूर्ण संवैधानिक और राजनीतिक बदलाव को चिह्नित करता है। 42वें प्रधानमंत्री के रूप में कार्की की नियुक्ति प्रतिनिधि सभा (एचओआर) के विघटन के बाद दिन में पहले हुए एक राजनीतिक समझौते का पालन करती है - जनरल-जेड विरोध आंदोलन और प्रणालीगत सुधार की मांग करने वाली कई राजनीतिक ताकतों की मुख्य मांग।

गहन बातचीत के एक दिन के बाद शीर्ष नेता कार्की के नेतृत्व में एक अंतरिम सरकार बनाने के लिए आम सहमति पर पहुंचे। शीतल निवास के सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति पौडेल, जिन्होंने पहले जोर देकर कहा था कि कार्की को संसद के औपचारिक विघटन के बाद ही नियुक्त किया जाए, अंततः बढ़ते सार्वजनिक और राजनीतिक दबाव के बीच पीछे हट गए।

संसद विघटन और 5 मार्च को चुनाव का फैसलाः नव नियुक्त प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने संसद को भंग करने की सिफारिश करके अपना पहला बड़ा निर्णय लिया है, जिसे राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने तत्काल मंजूरी दी। उन्होंने आम चुनाव के तारीखों की घोषणा कर दी है। कार्की के शपथ ग्रहण समारोह के तुरंत बाद शीतल निवास में आयोजित नए मंत्रिमंडल की पहली बैठक के दौरान इस निर्णय की घोषणा की गई। बैठक में, उन्होंने राजनीतिक सुधार और संस्थागत रीसेट के लिए जेन जी समूह द्वारा उठाई गई लंबे समय से चली आ रही मांग को संबोधित किया। संसद भंग करने के साथ ही आम चुनाव के तारीख की घोषणा कर दी गई है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से एक बयान जारी कर कहा गया है कि देश का अगला आम चुनाव 5 मार्च को किया जाएगा। अंतरिम सरकार की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की द्वारा की गई सिफारिश के बाद राष्ट्रपति ने 5 मार्च 2026 को आम चुनाव की घोषणा कर दी है। प्रधानमंत्री कार्की ने कहा कि अगले कुछ दिनों में मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाएगा। सदन को भंग कर दिया गया है - राष्ट्रपति ने विघटन को मंजूरी दे दी है। मैंने इसकी सिफारिश की, और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया और हस्ताक्षर किए।

संसद भंग करने के फैसले की निंदाः नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों, सीपीएन (यूएमएल) और माओवादी पार्टी ने संसद को भंग करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है। माओवादी ने अपने पदाधिकारियों की एक आपातकालीन बैठक बुलाई, जिसमें इस कदम को अस्वीकार्य बताया गया और राजनीतिक स्थिरता के लिए इसके प्रभावों पर चिंता व्यक्त की गई। इस बीच, सीपीएन (यूएमएल) के महासचिव शंकर पोखरेल ने सोशल मीडिया पर इस फैसले की निंदा की। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पहले संसद को भंग करने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की आलोचना की थी, वे अब इस विघटन का समर्थन करने कर सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं।

नेशनल लोक अदालत में हुआ 1670 प्रकरणों का निराकरण

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार 13 सितंबर 2025 को जिला न्यायालय सीधी एवं सिविल न्यायालय चुरहट, रामपुर नैकिन तथा मझौली में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया। नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रयाग लाल दिनकर, विशेष न्यायाधीश/प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत यतीन्द कुमार गुरू, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह एवं अन्य न्यायाधीशगण, अधिवक्तागण, लीगल एड डिफेंस काउंसिल द्वारा जिला न्यायालय परिसर में दीप प्रज्वलन कर किया गया।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर ने अधिवक्तागण से प्रकरणों का जल्दी निराकरण करने की अपील की एवं अभिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की एवं अधिक से अधिक प्रकरणों के निराकरण के लिए प्रेरित किया। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह ने कहा कि न्याय के सिद्धांत है न्याय सरल एवं सहज हो इसके लिए नेशनल लोक अदालत का गठन किया गया है। सिंह ने कहा कि नेशनल लोक अदालत को सफल बनाने का निरंतर प्रयास रहना चाहिए। सिंह ने अभिभाषकगण को अंतिम समय तक लोक अदालत के माध्यम से प्रकरणों का निराकरण करने हेतु बल दिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश कुमार शिवहरे ने न्यायाधीशगण एवं अधिवक्तागण से प्रकरणों का निराकरण मध्यस्थता के माध्यम से करने की अपील की एवं अभिभाषकगण से सहयोग की अपेक्षा की। जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक ने कार्यक्रम में उपस्थित हुये समस्त अतिथियों का आभार प्रकट किया तथा नेशनल लोक अदालत में अधिवक्तागण से सहयोग की अपेक्षा की साथ ही कार्यक्रम का संचालन भी किया।

कार्यक्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रयाग लाल दिनकर, विशेष न्यायाधीश/प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत यतीन्द्र कुमार गुरू, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय दीपक शर्मा, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष बृजेन्द्र सिंह बघेल, शासकीय अभिभाषक सुखेन्द्र द्विवेदी, जिला न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव, राकेश कुमार सोनी, सुउर्मिला यादव, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुकेश कुमार शिवहरे, न्यायाधीशगण सुसुनीता रावत, सोनू जैन, कपिल देव काछी, मृदुल लटौरिया, अभिषेक साहू, जिला अभियोजन अधिकारी, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी प्रशांत पाण्डेय, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी पूजा गोस्वामी, सहायक जिला अभियोजन अधिकारी कु. सीनू वर्मा, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल देवेन्द्र प्रसाद मिश्रा, डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल विनोद कुमार श्रीवास्तव, बाबूलाल सिंह, असिस्टेंट लीगल एड डिफेंस काउंसिल सत्यप्रकाश पाण्डेय, देवेन्द्र प्रसाद द्विवेदी तथा सचिव जिला अधिवक्ता संघ रवीन्द्र गौतम, अधिवक्तागण राजेन्द्र सिंह परिहार, उदयकमल मिश्रा सहित अन्य अधिवक्तागण तथा विद्युत विभाग, बैंक एवं नगरीय निकाय के प्रशासनिक अधिकारीगण, प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के सदस्य एवं जिला न्यायालय तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला न्यायालय के प्रशासनिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक ने जानकारी देते हुए बताया कि नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला मुख्यालय सीधी में 13 खंडपीठें, व्यवहार न्यायालय चुरहट में 03, मझौली में 02 व रामपुर नैकिन में 02 खंडपीठे गठित की जाकर कुल 20 न्यायिक खंडपीठें गठित की गई थी। नेशनल लोक अदालत में समझौता योग्य आपराधिक, सिविल, विद्युत अधिनियम, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, निगोशियेबल इस्ट्रूमेन्ट एक्ट के अन्तर्गत चेक बाउंस प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय तथा, नगर पालिका के जलकर से संबंधित प्रकरणों के सहित विद्युत वितरण कम्पनी, समस्त बैंकों के ऋण वसूली मुकदमा पूर्व प्री-लिटिगेशन के प्रकरण इस लोक अदालत में निपटारे हेतु रखे गये।

सीधी, चुरहट, रामपुर नैकिन एवं मझौली में आयोजित हुई नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लम्बित कुल 571 प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये जिनमें 415 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इसी प्रकार कुल 8615 प्री-लिटिगेशन प्रकरण निराकरण हेतु रखे गये जिनमें 1255 प्रकरणों का सफलतापूर्वक निराकरण किया गया। इस प्रकार नेशनल लोक अदालत में कुल 1670 प्रकरणों का निराकरण हुआ। मोटर दुर्घटना दावा के अन्तर्गत 19 क्लेम प्रकरण निराकृत किये गये जिसमें पक्षकारों को 7367500 रूपये की क्षतिपूर्ति राशि प्राप्त हुई। विद्युत अधिनियम से संबंधित एवं न्यायालय में लंबित लगभग 74 प्रकरणों का निराकरण किया गया, जिसमें हजारो रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ तथा विद्युत के 308 प्री-लिटिगेशन प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें 2870000 रूपये का राजस्व प्राप्त हुआ है।

जवा में यूरिया खाद लेने गए किसान के साथ हुई मारपीट का वजह बना चौकीदार, 5 बोरी की जगह 2 बोरी दे रहा था खाद

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में खाद की समस्या से किसान लगातार जूझ रहे हैं, इसके बावजूद शासन-प्रशासन का रवैया किसानों के प्रति असंवेदनशील बना हुआ है। किसान खाद के लिए महीनों से लाइन में हैं, लेकिन अभी तक उन्हें खाद नहीं मिल पाई। इसके बजाय, उन्हें लाठी का सामना करना पड़ रहा है। रीवा जिले के सिरमौर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत किसान समृद्धि केंद्र जवा (ममेड़ी) में प्रतिदिन हजारों किसानों और महिलाओं की भीड़ देखने को मिल रही है, लेकिन शासन-प्रशासन द्वारा किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। इस स्थिति के कारण किसान प्राइवेट दुकानों से दोगुने दामों में नकली खाद खरीदने के लिए मजबूर हैं।

10 सितंबर 2025 को किसान प्रभु दयाल आदिवासी (55 वर्ष) निवासी इटौरी के साथ पुलिस द्वारा मारपीट करने का वीडियो वायरल हुआ है। इस वीडियो में पुलिस ने किसान को नशे की हालत में गाली-गलौज का आरोप लगाया है, जबकि वहां मौजूद लोगों का कहना है कि इस मारपीट का कारण चौकीदार पुष्पराज पटेल है, जो किसान समृद्धि केंद्र जवा ममेड़ी का सर्वेसर्वा है। सूत्रों के अनुसार, पुष्पराज पटेल अपने जान-पहचान के लोगों को ज्यादा पैसे लेकर खाद की कालाबाजारी करता है। जब वह चाहेगा तभी किसानों को खाद मिलेगी, अन्यथा उन्हें चक्कर लगाते रहना होगा।

किसान की पत्नी वैजयंती देवी को 5 बोरी का टोकन मिला था, लेकिन जब वह चौकीदार के पास पहुंची, तो उसे केवल 2 बोरी दी गई। इसी बात पर बहस हुई, जिसके बाद पुलिस को बुलाया गया और मामला मारपीट में तब्दील हो गया। आरोप लगाया गया है कि कई वर्षों से चौकीदार पुष्पराज पटेल द्वारा खाद की कालाबाजारी की जा रही है, फिर भी विपणन विभाग द्वारा उसे हटाया नहीं जा रहा है। यह सवाल उठता है कि क्या इस पूरी कालाबाजारी में उच्च अधिकारियों का भी हाथ है।

महिला डॉक्टर के कपड़े फाड़े, बाल खींचे, जमकर पीटा; मेडिकल कॉलेज में साथी डॉक्टरों ने की मारपीट, जान से मारने की दी धमकी

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज के लेबर रूम में महिला डॉक्टर पर दो साथी इंटर्न महिला डॉक्टरों ने हमला कर दिया। उन्होंने डॉक्टर के कपड़े फाड़े और बाल पकड़कर खींचे। इसके बाद जमकर पीटा। जान से मारने की धमकी भी दी। घटना गुरुवार रात करीब 9.30 बजे की है। पूरा घटनाक्रम लेबर रूम के सीसीटीवी कैमरा में रिकॉर्ड हो गया। वहां मौजूद स्टाफ ने भी वीडियो बनाए। शनिवार को इसका वीडियो सामने आया। पीड़िता डॉक्टर शिवानी लाखिया ने आरोपी इंटर्न डॉक्टर शानू अग्रवाल और योगिता त्यागी के खिलाफ लिखित में शिकायत दर्ज कराई है। पीड़िता और मेडिकल स्टाफ ने आरोपी डॉक्टरों के निलंबन और आपराधिक कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि आरोपी डॉक्टर इससे पहले भी नफीस बस विवाद और महादेव प्रकरण जैसी घटनाओं को लेकर सुर्खियों में रह चुकी हैं।

पीड़िता बोली- बाल खींचकर नीचे गिराया, कपड़े फाड़े: पीड़िता डॉक्टर ने शिकायत में बताया कि गुरुवार को मैं नियमित ड्यूटी पर लेबर रूम में मौजूद थी। रात करीब 9.30 बजे अचानक शानू अग्रवाल और योगिता त्यागी ने मेरे साथ अत्यंत आपत्तिजनक, अभद्र व्यवहार किया। साथ ही मारने की धमकी व हॉस्टल में मिलने पर मारने की धमकी दी और वापस चली गई। उस समय वहां मीनी मैम, इंटर्न, नर्सिंग स्टाफ और गार्ड भी मौजूद थे।

शुक्रवार देर रात 2:15-2:40 बजे के बीच में ऑन ड्यूटी लेबर रूम में मरीज की डिलीवरी कराने में व्यस्त थी। तभी शानू और योगिता नशे की हालत में फिर से वहां पहुंचे। इसके बाद मेरा हाथ पकड़कर बाहर खींचने की कोशिश की। उन्होंने मेरे बाल खींचकर नीचे गिरा दिया।

नाबालिग की गड्ढे में डूबने से मौत, रेलवे पुल निर्माण स्थल पर हादसा; परिजनों ने शव रखकर किया विरोध प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में ललितपुर-सिंगरौली रेलवे लाइन परियोजना में कोतवाली थाना क्षेत्र के गाड़ा बवन गांव में शुक्रवार शाम 7 बजे निर्माणाधीन रेलवे पुल के गड्ढे में डूबने से 12 साल के रमन सिंह की मौत हो गई। घटना के विरोध में शनिवार दोपहर परिजनों ने सीधी अस्पताल चौक पर शव रखकर प्रदर्शन किया। परिजनों का आरोप है कि पुल निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई। गहरे गड्ढों को न तो ढका गया और न ही कोई सुरक्षा व्यवस्था की गई।

1 घंटे तक लोगों ने किया चक्काजाम: प्रदर्शन के दौरान लोगों ने चक्काजाम कर दिया। करीब एक घंटे तक यातायात बाधित रहा। डीएसपी अमन मिश्रा और पुलिस अधिकारियों की समझाइश के बाद जाम खुला। एसडीएम आर.पी. त्रिपाठी ने कहा कि प्रथम दृष्टया यह रेलवे विभाग और ठेकेदार की लापरवाही का मामला लगता है।

उन्होंने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। पुलिस और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम घटनास्थल का निरीक्षण करेगी। जिम्मेदार लोगों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

आदिवासी किसान पर पुलिस बर्बरता, समाजवादी पार्टी ने की जांच प्रतिनिधिमंडल गठित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश के रीवा जिले के जवा विकासखंड अंतर्गत किसान समृद्धि केंद्र में यूरिया खाद वितरण के दौरान प्रशासनिक अव्यवस्था और पुलिस की बर्बरता का चौंकाने वाला मामला सामने आया है। सुबह से लंबी लाइन में खड़े आदिवासी किसान प्रभु दयाल ने टोकन के आधार पर पांच बोरी यूरिया की मांग की, जबकि प्रशासन केवल दो बोरी दे रहा था। मांग पूरी न होने पर किसान ने विरोध दर्ज कराया। मौके पर मौजूद पुलिस ने किसान को बेरहमी से पीटा और थाने तक घसीटकर ले गई। इस दौरान किसान को गंभीर चोटें आईं।

घटना के समय मौके पर एसडीएम, तहसीलदार सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे, लेकिन किसी ने पुलिस की कार्रवाई को रोकने की कोशिश नहीं की। समाजवादी पार्टी इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा करती है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनोज यादव ने 20 सदस्यीय जांच प्रतिनिधिमंडल का गठन किया है। इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और किसान नेता शिव सिंह पटेल करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में रीवा एवं मऊगंज जिले के अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, युवजन सभा के पदाधिकारी, और ब्लॉक अध्यक्ष शामिल रहेंगे। यह प्रतिनिधिमंडल 14 सितम्बर 2025 को पीड़ित किसान एवं ग्रामीणों से मुलाकात कर विस्तृत रिपोर्ट प्रदेश कार्यालय को सौंपेगा। समाजवादी पार्टी किसानों और आदिवासियों के सम्मान व अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दोषी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए।

बिना हस्तांतरित किये संस्कृत महाविद्यालय को दी गयी लक्ष्मण बाग की 22 एकड़ जमीन, डिप्टी सीएम पर जमीन बेचने का लगा आरोप

लक्ष्मण बाग संस्थान धार्मिक आस्था का प्रतीक, इसे बिकने नहीं देंगे : विनोद कुंवर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले में महाराजा विश्वनाथ प्रताप सिंह जूदेव द्वारा वर्ष 1842 में 59 एकड़ जमीन भगवान लक्ष्मण के लिए लक्ष्मण बाग संस्थान को दी गई थी, ताकि धार्मिक आस्था का दीप प्रज्वलित होता रहे। लेकिन अब उस जमीन पर प्रशासन और डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ला की नजर पड़ गई है। डिप्टी सीएम के द्वारा लक्ष्मण बाग के लिए दी गई दान की जमीन को बेचने और उस पर महाविद्यालय खोलने का निविदा जारी किया गया है, लेकिन अभी तक जमीन का हस्तांतरण नहीं किया गया और ठेकेदार के द्वारा काम भी शुरू कर दिया गया है।

कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता विनोद शर्मा और जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष व किसान नेता कुंवर सिंह ने डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ला और जिला प्रशासन पर प्रहार करते हुए कहा कि लक्ष्मण बाग संस्थान धार्मिक आस्था का प्रतीक है, जिसे रीवा महाराजा ने खेती कर पूजा के लिए दिया था। अब डिप्टी सीएम इसे बेचना चाह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ढाई एकड़ जमीन पर अतिक्रमण है, लेकिन उस जमीन को खाली कराने में शासन-प्रशासन के पसीने छूट रहे हैं। बची हुई जमीन पर संस्कृत महाविद्यालय खोला जा रहा है, और इसकी एक इंच जमीन भी किसी संस्था को नाजायज नहीं देने देंगे। चाहे हमें सड़कों पर ही क्यों न उतरना पड़े।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि डिप्टी सीएम के दबाव में लक्ष्मण बाग संस्थान की जमीन किसी निजी संस्था को दिए जाने का प्रस्ताव है। हरियाणा की एमएसलार कंपनी को 22 एकड़ की जमीन पर संस्कृत महाविद्यालय बनाने का 20 करोड़ 94 लाख का निविदा बिना रजिस्ट्री के प्राप्त कर लिया गया है।

कांग्रेस नेता विनोद शर्मा और कुंवर सिंह पटेल ने मौके पर पहुंचकर शासन-प्रशासन की गैर कानूनी प्रक्रिया के खिलाफ लक्ष्मण बाग की जमीन को निजी हाथों में देने का विरोध किया। उन्होंने कहा कि भगवान लक्ष्मण के नाम पर दी गई जमीन को बिकने नहीं देंगे, चाहे हमें न्यायालय का सहारा ही क्यों न लेना पड़े।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसी स्थिति पैदा होगी तो सड़क पर संघर्ष होगा। लक्ष्मण बाग संस्थान की जमीन किसी को हस्तांतरित नहीं की जा सकती।

सीधी के नए एसपी संतोष कोरी ने संभाला पदभार, नशा मुक्ति, महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर रहेगा फोकस

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मध्यप्रदेश कैडर के 2012 बैच के आईपीएस अधिकारी संतोष कोरी ने शनिवार को सीधी जिले के पुलिस अधीक्षक का कार्यभार संभाल लिया। वे इससे पहले 35वीं एसएएफ बटालियन में कमांडेंट के पद पर कार्यरत थे। हाल ही में हुए प्रशासनिक फेरबदल में उनकी नियुक्ति की गई। कोरी ने 2012 में भारतीय पुलिस सेवा में कार्यभार संभाला था। वे जनता से सीधे संवाद और त्वरित समाधान के लिए जाने जाते हैं। पुलिस विभाग में उन्होंने कई अहम जिम्मेदारियां निभाई हैं।

नए एसपी ने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि जिले को नशामुक्त बनाना उनका पहला लक्ष्य है। महिला सुरक्षा और बच्चों की सुरक्षा भी प्रमुख एजेंडे में शामिल है। साथ ही कानून व्यवस्था, अपराध नियंत्रण और साइबर अपराध पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। कोरी का उद्देश्य सामुदायिक पुलिसिंग को मजबूत करना है। वे चाहते हैं कि जनता और पुलिस मिलकर काम करें। उनका मानना है कि इससे अपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगेगा और जिले में शांति व्यवस्था बनी रहेगी।

अतरैला थाना क्षेत्र के जोन्हा टमस नदी घाट में खुलेआम अवैध बालू का हो रहा उत्खनन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के अतरैला थाना क्षेत्र अंतर्गत जोन्हा घाट में इस समय अवैध बालू का उत्खनन जारी है, लेकिन अतरैला थाना प्रभारी और खनिज अधिकारी इस मामले में मौन हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, अतरैला थाना प्रभारी की सरपरस्ती में थाना क्षेत्र में अवैध नशे का कारोबार और जोन्हा टमस नदी घाट में खुलेआम अवैध बालू का उत्खनन और परिवहन किया जा रहा है। इस स्थिति के कारण कभी नशे के खिलाफ और न ही अवैध उत्खनन या परिवहन पर कोई ठोस कार्रवाई की जाती है।

ग्रामीणों का कहना है कि इस अवैध गतिविधि से न केवल पर्यावरण को नुकसान हो रहा है, बल्कि यह उनकी जीवनशैली को भी प्रभावित कर रहा है। जोन्हा क्षेत्र में हो रहे अवैध बालू उत्खनन और परिवहन को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि इस अवैध उत्खनन पर तुरंत रोक लगाई जाए और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि यदि प्रशासन ने समय पर कदम नहीं उठाए, तो वे आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे। इस प्रकार, जोन्हा टमस नदी घाट में अवैध बालू उत्खनन की समस्या ने स्थानीय निवासियों के लिए चिंता का विषय बना दिया है, और अब देखना होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या कदम उठाता है।

एनीमिया मुक्त भारत एवं राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में शनिवार को एनीमिया मुक्त भारत और राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय समन्वय एवं उन्मुखीकरण कन्वर्जेन्स बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास, आदिम जाति कल्याण, शिक्षा सहित कई विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

बैठक में जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ नागेंद्र बिहारी दुबे ने प्रस्तुति देते हुए बताया कि 23 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस और 26 सितंबर 2025 को मॉप-अप दिवस मनाया जाएगा। इस दौरान जिले में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों और 20 से 49 वर्ष की गैर-गर्भवती एवं गैर-धात्री महिलाओं को एल्बेंडाजॉल गोली दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि 1 से 2 वर्ष के बच्चों को आधी गोली चूरकर, 2 से 3 वर्ष के बच्चों को पूरी गोली चूरकर तथा 3 से 19 वर्ष के बच्चों व 20 से 49 वर्ष की महिलाओं को पूरी गोली चबाकर पानी के साथ दी जाएगी। यह प्रक्रिया शिक्षकों और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की निगरानी में होगी। वहीं मॉप-अप दिवस पर बची हुई दवाएं निर्धारित प्रपत्र सहित एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को सौंपी जाएंगी।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ बबिता खरे ने कहा कि अभियान को सफल बनाने में महिला एवं बाल विकास विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, पंचायती राज संस्थान, निजी स्कूल, केंद्रीय विद्यालय, मदरसा एसोसिएशन, चाइल्ड केयर संस्थान, एनवाईके, एनसीसी, एनएसएस, स्वच्छ भारत अभियान और नगरीय प्रशासन सहित विभिन्न संगठनों की भूमिका अहम होगी।

उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि कृमि नाशन गोली का सेवन बच्चों और महिलाओं को अवश्य कराएं, ताकि उन्हें कृमि संक्रमण से बचाया जा सके और स्वस्थ जीवन सुनिश्चित हो सके।

आपदा में 'अवसर'

संपादकीय

हाल ही में हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, भूस्खलन और बर्फबारी जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने राज्य के कई हिस्सों को प्रभावित किया है। लेकिन दुर्भाग्यवश, जहां एक ओर आम जनता इस संकट से जूझ रही है, वहीं दूसरी ओर कुछ वन माफिया और असामाजिक तत्व इस आपदा को 'अवसर' के रूप में देख रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, ज्वालामुखी क्षेत्र में हाल ही में सरकारी जंगलों से बड़ी मात्रा में खैर (कीमती लकड़ी) की अवैध कटाई की गई, जिसे वन विभाग ने जब्त भी किया है। यह केवल एक उदाहरण नहीं है, बल्कि हिमाचल के कई हिस्सों में वन संपदा की लूट वर्षों से एक संगठित और संरक्षित नेटवर्क के तहत चल रही है। ऐसी गतिविधियां बिना राजनीतिक संरक्षण और प्रशासनिक मिलीभगत के संभव ही नहीं। सवाल यह उठता है कि जो विभाग पर्यावरण की रक्षा के लिए बनाए गए हैं, वही यदि मौन दर्शक बन जाएं या भागीदार बन जाएं, तो आम जनता न्याय की उम्मीद किससे करे? वन माफिया की तरह ही खनन माफिया भी हिमाचल में तेजी से पैर पसार रहा है, खासकर सीमावर्ती क्षेत्रों में। यहां रेत-बजरी और अन्य खनिजों का अवैध खनन दिन-रात चलता है। ट्रकों की आवाजाही, नदी-नालों का अंधाधुंध दोहन और पहाड़ों का कटाव- यह सब 'घोषित-अघोषित मिलीभगत' का ही परिणाम है। आशंका जताई जा रही है कि इसमें कुछ राजनीतिज्ञों और उच्च अधिकारियों की संलिप्तता हो सकती है, जो माफिया को संरक्षण प्रदान करते हैं। वन और खनन माफिया बिना राजनीतिक शह और पुलिस-प्रशासन की चुप्पी के कभी भी नहीं फल-फूल सकते। यह बात सब जानते हैं, पर कार्रवाई शायद ही कभी होती है। यह गठजोड़ लोकतंत्र और प्रशासन की जवाबदेही पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न है।

हिमाचल प्रदेश की पहचान वर्षों से एक ईमानदार, पर्यावरण-संवेदनशील और शांतिप्रिय राज्य के रूप में रही है। पर्यटन, बागवानी, और शांति से जीने की संस्कृति ने इसे एक आदर्श राज्य के रूप में प्रस्तुत किया था। लेकिन आज, यही राज्य राष्ट्रव्यापी मीडिया में अवैध कटाई, खनन माफिया और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों के लिए चर्चा में है। यदि यही हाल रहा, तो हिमाचल की पहचान ही बदल जाएगी। आने वाली पीढ़ियों को न तो सुरक्षित वातावरण मिलेगा, न शुद्ध जल-संसाधन, और न ही वह नैतिक आधार, जिस पर यह राज्य टिका हुआ था। 'बाढ़ ही फसल को खा जाए तो क्या बचेगा?', यह कथन अपने आप में बहुत शक्तिशाली और प्रतीकात्मक है। यदि वही लोग, जिन्हें व्यवस्था की रक्षा करनी थी, लूट का हिस्सा बन जाएं, तो फिर देश और समाज की सुरक्षा कौन करेगा? यह न केवल प्रशासनिक विफलता है, बल्कि यह समाज के नैतिक पतन का भी संकेत है। इस गंभीर स्थिति से निपटने के लिए कुछ ठोस सुझावों की आवश्यकता है। सर्वप्रथम, सभी अवैध कटाई और खनन मामलों की स्वतंत्र जांच एजेंसी द्वारा निष्पक्ष जांच कराई जानी चाहिए। जिन मामलों में राजनीतिक संरक्षण की संभावना हो, उन्हें विशेष न्यायालयों में शीघ्रता से निपटाया जाए।

अंग्रेजी के पेट में हिंदी का अल्सर

मृदुला श्रीवास्तव

प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर पर हिंदी दिवस, हिंदी पखवाड़ा आते ही सभी सरकारी दफ्तरों के बॉस अपने तथाकथित हिंदी ज्ञान में अचानक इजाफा करते देखे पाए जाते हैं। 'मिश्रा जी! योर लोन हैज बीन अप्रूव्ड के लिए इस फाइल पर हिंदी में क्या लिखूं?' 'सर लिखिए, आपका ऋण अनुमोदित हो गया है।' 'ऋण तो समझ आया, ये 'अनुमोदित' किस चिड़िया का नाम है? मंजूर हो गया है, ऐसा नहीं लिख सकते क्या? सच बड़ी अजीब है ये हिंदी।' बधाई हो। बॉस के अंग्रेजी पेट में हर साल की तरह इस साल भी अल्सर टाइप हिंदी का यह दर्द आखिरकार फिर शुरू हो ही गया। हिंदी दिवस आने पर पता नहीं कहां, क्या, कब और कितना हिंदी पर बोलना-लिखना पड़ जाए भई, सो बॉस ने अपने सामने आने वाली हर फाइल पर महीना पहले से ही नोटिंग के वाक्यों की एक सूची टेबल पर बिछे ग्लास के नीचे छिपा ली है। सामने बैठे अधीनस्थ हैरान परेशान। बॉस की उस अजीबोगरीब हिंदी में अपने स्टेनो को डिक्टेशन देते देखते हुए। दूसरे विभाग के साहब ने तो एक राजभाषा अधिकारी की सीट ही उठवा कर, अपने उस बड़े से कमरे में अपनी ही ऊंची कुर्सी के साथ, सोना मढ़े सिंहासन की तरह गढ़वा दी है। केवल और केवल राजभाषा अधिकारी ही जानता है, अपनी इस सुनहरी कुर्सी की दर्द भरी औकात। बॉस जानता है कि 14 सितंबर तक आते-आते ईएस शर्मा आएगा और कहेगा- 'सर! आपको फलाने कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाषण देने और पुरस्कार वितरण के लिए जाना है।' 'अच्छा, तो इसमें क्या दिक्कत है? दे दूंगा बढ़िया स्पीच।' कहते हुए बॉस की अंग्रेजी-हिंदी मिक्स खटाखट डिक्टेशन स्टार्ट। 'सर! आपको भाषण अंग्रेजी में नहीं, हिंदी में देना है। 'हिंदी में?' बॉस यूं उछले मानो बिच्छू ने डंक मार दिया हो। 'ज्यू मीन लेक्चर इन हिंदी?' 'इसमें क्या मुश्किल है?ज्आपने इस जॉब में आने पर, सदैव अपना 100 फीसदी कार्यालयी कार्य हिंदी में करने का संकल्प पत्र भी भरा था और आपने साक्षात्कार के समय कई हिंदी प्रतियोगिताओं में पुरस्कार मिलने के प्रमाणपत्र भी जमा किए थे, तो इसलिए सर! आपको भाषण तो हिंदी में ही देना चाहिए।'

'मिक्स चलेगा?' मानो पूछ रहे हों कि अल्सर की यह दवा पानी की जगह चाय से खा लूं? 'सर आपकी बीमारी गंभीर है। किसी और को भेजना भी ठीक नहीं रहता ऐसे में।' 'रहता' शब्द सुनते ही एक जुगाड़ थेरपी छत से चिपकी छिपकली की तरह बॉस के दिमाग के बिस्तर पर ऊपर से टपकी। 'अरे हां, वो मुझे याद आयाज्14 सितंबर को तो मुझे शायद छुट्टी पर जाना पड़ेगा।' हिंदी दिवस। अधीनस्थ ने कमरे में झांका। हस्ते-मामूल बॉस अपनी सीट से नदारद। क्या हिंदी सचमुच इतनी दुखदाई है कि बंदे को अपनी एक छुट्टी इसके लिए खर्च करनी पड़ गई। बॉस ने भी अपनी 32 साल की नौकरी में कोई कच्ची गोलियां नहीं खेली थीं। यूं भी बायोमीट्रिक सिस्टम पर पंच मार सुबह 9.30 पर ही पुस्तकालय में पहुंचे अलमारियों के पीछे ऊंघते-सोते बॉस को कौन तो देखता और कौन तो टोकने की जुर्रत करता। सचमुच मिश्राजी! ये साली हिंदी, साल में एक बार ही सही, जब भी आती है, तो तड़पाती बहुत है।' 'और वो सर! हिन्दी वाले प्रमाणपत्र?' 'अरे छोड़ो न, वो तो जाली थे।' शाम को बॉस अपने घर में बेटे से कह रहे थे- 'क्या अंग्रेजी में गिट-पिटा रहा है? अपनी मां से कभी-कभी हिंदी भी पढ़ लिया कर। नहीं तो बहुत पिटेगा।' बच्चा डर कर हिंदी की कविता रटने लगा। वो अलग बात है कि उस कॉन्वेंटी बच्चे ने हिंदी की कविता को अंग्रेजी वर्णमाला में लिख रखा था।

> **भारत के सामने आज सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है आतंकवाद। यह चुनौती देखा जाए तो सीमा पार से आने वाली गोलियों और बारूद से कहीं अधिक खतरनाक और विध्वंसक है, क्योंकि इसमें एक खास विचारधारा भी है जो देश के भीतर युवाओं के दिमाग में धीरे-धीरे जहर भर रही है। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और सेंट्रल एजेंसियों ने जिस टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। उसमें दिल्ली, झारखंड, तेलंगाना और मध्य प्रदेश से पांच संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। संदिग्ध आतंकियों के पास से बम बनाने की सामग्री और हथियार मिले हैं। ये सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलर्स के संपर्क में थे। वस्तुत-इनकी गिरफ्तारी सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि इस बात का संकेत है कि भारत की धरती पर इस्लामिक आतंकवाद की जड़ें फैलाने की कोशिशें लगातार तेज हो रही हैं।**

आतंकवाद की भूमि बनता भारत, जिम्मेदारी से भागते इस्लामी संगठन

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

गिरफ्तारी का नेटवर्क और पाकिस्तान की भूमिका- सुरक्षा एजेंसियों के संयुक्त अभियान में चार से पाँच राज्यों में छापेमारी की गई और आठ से अधिक लोगों से पूछताछ हुई। पुलिस ने साफ किया कि इन संदिग्धों के संबंध पाकिस्तान के आतंकी नेटवर्क से हैं और सोशल मीडिया के जरिए यह लोग लगातार विदेशों में बैठे आकाओं के संपर्क में थे। जांच एजेंसियों ने जो साक्ष्य एकत्र किए हैं, वे यह दिखाने के लिए पर्याप्त हैं कि भारत को अस्थिर करने के लिए एक संगठित प्रयास चल रहा है। अशरफ दानिश नाम का शख्स इस पूरे नेटवर्क का प्रमुख सदस्य बताया गया। वह भारत में रहकर आतंकी मॉड्यूल का संचालन कर रहा था, साथ ही मुस्लिम युवाओं को कट्टरपंथी बनाने और उन्हें आतंकी गतिविधियों की तरफ आकर्षित करने की भूमिका भी निभा रहा था। इस दौरान पुलिस के ध्यान में यह भी आया कि इसके लिए सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम था जहां से ये अपनी आतंकी विचारधारा को आसानी से फैला सके। अब बार-बार इस तरह की घटनाओं को देखकर ये विश्वास हो चला है कि आज का आतंकवाद केवल बम, बारूद और हथियारों से नहीं लड़ता। उसका असली युद्धक्षेत्र युवाओं का दिमाग है। फेसबुक, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म आतंकियों के लिए एक हथियार बन गए हैं। इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) पहले ही यह साबित कर चुका है कि वर्चुअल खलीफत का सपना इंटरनेट के जरिए दुनिया भर के युवाओं को प्रभावित करके फैलाया जा सकता है। भारत में भी इसी तर्ज पर गुप्त ऑनलाइन समुदाय बनाए जा रहे हैं, जहाँ सांप्रदायिक नफरत, धार्मिक कट्टरता और हिंसक विचारधाराओं को परोसा जा रहा है। यही तो इस बार पकड़े गए इन संदिग्धों के पास से भी ये पैटर्न सामने आया है।

भारत की संवेदनशील जमीन और अतीत की त्रासदियाँ- भारत पूर्व भी आतंकवाद की मार झेल चुका है। 1993 के मुंबई धमाकों से लेकर 2001 के संसद हमले और 2008 के 26/11 हमलों तक हर बार जांच में पाकिस्तान-आधारित नेटवर्क का हाथ सामने आया। पुलवामा का कायराना हमला भी अब तक नहीं भुलाया जा सका। इन घटनाओं की पृष्ठभूमि बताती है कि भारत बार-बार आतंकवाद का निशाना बनता है और अब नए मॉड्यूल्स सोशल मीडिया के जरिए खड़े किए जा रहे हैं। चिंता इसलिए भी ये बड़ी है, क्योंकि भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला देश है। यहाँ करोड़ों मुसलमान रहते हैं, जिनमें से भारी बहुमत शांतिप्रिय और कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं। लेकिन समस्या यह है कि उनमें से ही एक वर्ग आतंकी संगठनों की नजर में आता है। वह हिंसा और गैर मुसलमानों के खिलाफ कार्य करता है, जिसे वह जिहाद की संज्ञा देता है।

पहले तो चलो; कहा जाता था कि मुसलमानों में बेरोजगारी अधिक है, इसलिए युवा भटक जाते हैं, लेकिन पिछ्ले कुछ सालों में सामने आए आर्थकि आंकड़े तो यही बता रहे हैं कि अब देश में बहुसंख्यक हिन्दू और मुसलमानों के बीच आर्थकि और सामाजिक असमानता न के बराबर रही है। अपनी जनसंख्या के अनुपात में मुसलमानों की स्थिति कई जगह हिन्दुओं से भी बेहतर हुई है। तब फिर यह प्रश्न ही समाप्त हो जाता है कि मुसलमान युवा को बेरोजगारी के नाम पर भटकाया जा रहा है। यानी कोई अन्य तत्व अवश्य ऐसे मौजूद हैं, जोकि मुस्लिम युवा को आतंकवादी बनने के लिए प्रेरित करते हैं! ऐसे में स्वभाविक है कि इस तरह के तत्वों को खोजा जाए, किंतु ये कार्य करे कौन

इस्लामी संगठनों की बढ़ती जिम्मेदारी- यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है; जब देश के भीतर युवाओं को गुमराह करने की कोशिशें हो रही हैं, तब इस्लामिक संगठनों की भूमिका क्या है भारत में मुसलमानों के पास अपने कई बड़े और प्रभावशाली संगठन हैं। ये संगठन केवल धार्मिक मामलों तक सीमित नहीं रहते, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर भी मुखर भूमिका निभाते हैं। ऐसे में इनसे यह अपेक्षा की जाती है कि वे आतंकवाद और कट्टरपंथ के मुद्दे पर भी साफ और दृढ़ रुख अपनाएँ।

जमीयत उलमा-ए-हिन्द और जिम्मेदारी का सवाल- 1919 में स्थापित जमीयत उलमा-ए-हिन्द भारत का सबसे पुराना और बड़ा मुस्लिम संगठन है। यह दारुल उलूम देवबंद से जुड़ा माना जाता है। यह संगठन धार्मिक मार्गदर्शन, सामाजिक न्याय और कानूनी सहायता में सक्रिय रहता है। लेकिन सवाल यह है कि जब देश की सुरक्षा पर सीधा हमला हो रहा है, तो क्या जमीयत खुलकर आतंकवाद के खिलाफ खड़ा होता है क्या यह संगठन युवाओं को संदेश देता है कि आतंकवाद इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ है

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की सीमाएँ- 1973 में बना ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड हमेशा पर्सनल लॉ यानी शरीअत से जुड़े मुद्दों-तलाक, निकाह, विरासत-पर सरकार और अदालतों के सामने खड़ा दिखता है। लेकिन आतंकवाद और कट्टरपंथ जैसे बड़े मुद्दों पर इसकी चुप्पी अक्सर सवाल खड़े करती है। जब यह बोर्ड तलाक-ए-हलाला या तीन तलाक पर घंटों बहस करता है, तब यह क्यों नहीं कहता कि आतंकवाद मुसलमानों की छवि को सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचा रहा है और इसे जड़ से खत्म करना होगा क्यों नहीं ये अपने समाज के लिए जनजाति का अभियान लेता

जमात-ए-इस्लामी हिन्द की विचारधारात्मक जिम्मेदारी- 1941 में बनी जमात-ए-इस्लामी हिन्द अबुल आला मौदूदी की विचारधारा से प्रभावित है। यह संस्था शिक्षा और सामाजिक कार्यों में सक्रिय है। लेकिन आलोचकों का मानना है कि इसकी विचारधारात्मक पृष्ठभूमि कहीं-न-कहीं कट्टरपंथ की जड़ों से जुड़ी है। ऐसे में इस संगठन की जिम्मेदारी दोगुनी हो जाती है कि यह साफ और सख्त शब्दों में आतंकवाद का विरोध करे और युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए पहल करे।

देवबंद और नदवा की भूमिका- दारुल उलूम देवबंद 1866 में स्थापित एक मशहूर मदरसा है। यह इस्लामी शिक्षा और फिक़्ह का बड़ा केंद्र है, जिसकी गूँज पूरी दुनिया में सुनाई देती है। नदवतुल उलमा, लखनऊ भी पारंपरिक और आधुनिक शिक्षा को जोड़ने की कोशिश करता है। यदि ये दोनों संस्थान साफ-साफ यह कहें कि आतंकवाद और हिंसा इस्लाम के खिलाफ हैं और इसे फैलाने वाले लोग गुनहगार हैं, तो यह संदेश न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के मुसलमानों तक जाएगा।

राजनीतिक संगठनों की भूमिका- ऑल इंडिया मजलिस-ए-मुशावरत जैसे संगठन मुस्लिम समाज की राजनीतिक आवाज के रूप में सामने आते हैं। लेकिन जब आतंकवाद की बात आती है, तो इन संगठनों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने राजनीतिक भाषणों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता दें। यदि एआईएमआईएम जैसे संगठन साफ शब्दों में आतंकवाद को नकारें और समुदाय को सतर्क करें, तो यह देश के लिए सकारात्मक संदेश होगा। वस्तुत- इन सभी संगठनों के लिए यह आवश्यक है कि अपनी जमात को बार-बार समझाएं; गैर मुसलमान के प्रति जिहाद इस्लाम के विरोध में है! क्या इन्हें ये बात नहीं समझानी चाहिए, वैसे तो कहेंगे कि इस्लाम शांति का रिलीजन, मजहब है!

यह मुस्लिम समुदाय की नैतिक जिम्मेदारी है- आतंकवादियों की संख्या चाहे कितनी भी कम हो, उनका असर पूरे समुदाय की छवि पर पड़ता है। इसलिए मुस्लिम समाज की जिम्मेदारी है कि वह आतंकवाद के खिलाफ खड़ा हो। इस्लामी संगठनों को आगे आकर यह कहना चाहिए कि आतंकवाद इस्लाम का प्रतिनिधि नहीं है। यह धर्म की गलत व्याख्या है और इसके खिलाफ सामूहिक मोर्चा खोलना जरूरी है। यदि संगठन चुप रहते हैं तो यह चुप्पी आतंकियों के लिए मौन समर्थन मानी जाएगी। केवल कश्मीर घटना के बाद कुछ जगह विरोध प्रदर्शन करने से काम नहीं चलनेवाला है, इस्लामी संगठनों को चाहिए कि वे युवाओं के बीच जाकर उन्हें जागरूक करें, सोशल मीडिया पर फैल रहे जहरीले प्रचार का जवाब दें। यदि इस्लामिक संगठन अब भी अपनी जिम्मेदारी से भागते रहे और आतंकवाद पर ढुलमुल रवैया अपनाते रहे तो यह देश के भविष्य के लिए खतरनाक होगा। समय की मांग है कि जमीयत, पर्सनल लॉ बोर्ड, जमात-ए-इस्लामी, देवबंद और नदवा जैसे संगठन साफ और सख्त शब्दों में आतंकवाद के खिलाफ खड़े हों और यह संदेश दें कि भारत में मजहब नहीं, इंसानियत सर्वोपरि है। जिसका पालन हर मुसलमान को करना अनिवार्य है।

नेपाल का लोकतंत्रः पुराने वर्चस्व से नई चुनौती तक

नेपाल हिमालय की गोद में बसा छोटा-सा देश है। आकार में भले छोटा हो, लेकिन राजनीति और जातीय समीकरण के लिहाज से इसकी जटिलता किसी बड़े देश से कम नहीं। नेपाल पिछले तीन दशकों से लोकतंत्र का प्रयोग कर रहा है, लेकिन सच्चाई यह है कि यह लोकतंत्र अब भी अधूरा है। सत्ता और संसाधनों पर एक ही वर्ग का कब्ज़ा है—पहाड़ी ब्राह्मण और क्षत्रिय जातियाँ। संसद से लेकर प्रशासन और सेना तक, हर जगह यही जातियाँ हावी हैं। मधेशी, जनजातीय, दलित और महिलाएँ अब भी सत्ता की सीढ़ियों के निचले पायदान पर खड़ी हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ

1990 में नेपाल में बहुदलीय लोकतंत्र की वापसी हुई थी। जनता को उम्मीद थी कि अब सत्ता में विविधता आएगी और हर समुदाय को बराबरी का अवसर मिलेगा। लेकिन हुआ इसके ठीक उल्टा। 1990 से अब तक नेपाल ने 13 प्रधानमंत्री देखे। इनमें से 10 पहाड़ी ब्राह्मण और 3 क्षत्रिय रहे। यानी 35त्न मधेशियों की आबादी होने के बावजूद एक भी मधेशी प्रधानमंत्री नहीं बन पाया। जनजातीय और आदिवासी समूह संसद में मौजूद हैं, लेकिन उनके नेता केवल प्रतीकात्मक पदों तक सीमित रहे। दलित और महिलाएँ तो आज भी सत्ता के सबसे हाशिये पर खड़ी हैं। यह तस्वीर बताती है कि नेपाल का लोकतंत्र कितनी गहरी जातीय असमानता से ग्रस्त है। लोकतंत्र के नाम पर चेहरे तो बदले, लेकिन सत्ता का चरित्र वही रहा—ब्राह्मण और क्षत्रिय केंद्रित।

नेपाल की आधी से ज़्यादा आबादी 35 साल से कम उम्र की है। यही वह नई पीढ़ी है जिसे जनरेशन-ृ कहा जाता है। यह सोशल मीडिया, पॉप कल्चर और वैश्विक राजनीति से जुड़ी हुई है। इनके लिए जाति और वंश की राजनीति पुरानी और अप्रासंगिक है। यह पीढ़ी पारदर्शिता चाहती है, समान अवसर चाहती है और सबसे बड़ी बात यह है कि यह बदलाव को केवल सोचती नहीं बल्कि मांग भी करती है।

सवाल यही है कि क्या नेपाल की पुरानी सत्ता संरचना इतनी आसानी से टूट जाएगी? नेपाली कांग्रेस, स्रू और माओवादी जैसे दल दशकों से सत्ता पर काबिज हैं। इनके नेता ब्राह्मण और क्षत्रिय समुदाय से आते हैं और इनकी पकड़ प्रशासन, सेना और नौकरशाही तक फैली हुई है। सबसे बड़ी बात यह है कि सत्ता में बैठे लोग कभी आसानी से अपनी कुर्सी नहीं छोड़ते।

अगर बदलाव की इस मांग को दबाया गया, तो इसके नतीजे गंभीर होंगे। युवा पीढ़ी पहले ही अधीर है। वे सोशल मीडिया पर अपनी नाराज़गी और सपनों को साझा कर रहे हैं। अगर उनकी आवाज़ दबाई गई, तो असंतोष सड़क पर आंदोलन में बदल सकता है। नेपाल ने पहले भी जनआंदोलन देखे हैं और इतिहास गवाह है कि जब जनता चाहती है, तो कोई भी सत्ता ढांचा स्थायी नहीं रह पाता।नेपाल आज दो राहों पर खड़ा है। एक तरफ पुरानी राजनीति है, जहाँ सत्ता कुछ जातियों के बीच बंटी हुई है। दूसरी तरफ नई राजनीति है, जो समावेशी, पारदर्शी और युवाओं से जुड़ी है। असली सवाल यह है कि क्या नेपाल जातीय ढांचे वाली राजनीति से आगे बढ़ पाएगा या नहीं। अगर नेपाल ऐसा कर पाता है तो दक्षिण एशिया में एक मिसाल बन सकता है। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे देशों में भी राजनीति अक्सर वंशवाद और जातीय समीकरण में उलझी रहती है। नेपाल अगर इस ढांचे से बाहर निकलता है तो यह पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणा होगी। लेकिन अगर पुरानी सत्ता संरचना कायम रहती है, तो लोकतंत्र अधूरा ही रहेगा। युवाओं का भरोसा टूटेगा और यह भरोसा टूटना किसी भी लोकतंत्र के लिए सबसे खतरनाक स्थिति होती है।

पहली बार मुकुंदपुर के परिसीमन पर बोले रीवा सांसद, रीवा में शामिल होना चाहते हैं लोग

सतना सांसद ने जताया था विरोध

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। सांसद जनार्दन मिश्रा ने पहली बार मुकुंदपुर और आसपास के गांवों के रीवा में परिसीमन को लेकर अपनी राय रखी है। सांसद का कहना है कि मुकुंदपुर रीवा से बेहद नजदीक है और वहां के लोग पढ़ाई, इलाज, बाजार सहित सभी जरूरी कामों के लिए रीवा आते हैं। इसलिए स्थानीय लोग मुकुंदपुर को रीवा जिला में शामिल करने की मांग कर रहे हैं।

मुकुंदपुर समेत छह गांवों (आनंदगढ़, आमिन, धोबहट, परसिया और पपरा सहित) को रीवा जिले में शामिल करने का प्रस्ताव सामने आने के बाद सतना सांसद, मैहर और अमरपाटन के विधायकों, पूर्व विधायक नारायण त्रिपाठी समेत कई नेताओं ने विरोध जताया।

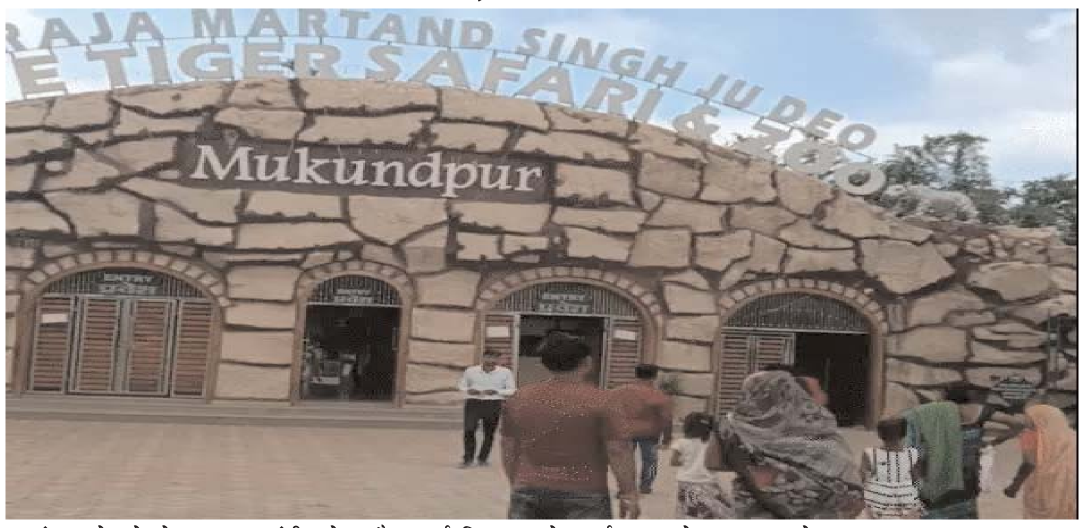

सतना सांसद ने इसे क्षेत्र की अखंडता से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा और इसे साजिश बताया। मैहर पूर्व विधायक ने पुनर्गठन आयोग की प्रक्रिया और रीवा के जनप्रतिनिधि पर आरोप लगाए।

मुकुंदपुर के लोगों ने रीवा में शामिल होने की इच्छा जताई: रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा ने कहा- मुकुंदपुर की भौगोलिक स्थिति रीवा से जुड़ी है। वहां के स्थानीय लोग लगातार कह रहे हैं कि हमें रीवा में शामिल किया जाए, जिससे क्षेत्र का विकास संभव हो। मुकुंदपुर के लोगों की जीवनचर्या रीवा से ही जुड़ी है। सांसद ने विरोध को पूरी तरह गलत बताया और पुनर्गठन आयोग की प्रक्रिया बताया।

परिसीमन आयोग के सामने राय मांगी गई: सरकारी आयोग ने मैहर कलेक्टर और रीवा कलेक्टर से रिपोर्ट मांगी है। मुकुंदपुर ग्रामसभा ने रीवा में शामिल न किए जाने का प्रथम दृष्टया प्रस्ताव पहले ही पास किया था, जबकि कुछ नागरिक रीवा में शामिल होना चाहते हैं। व्हाइट टाइगर सफारी के मामले में भी इन छह पंचायतों को रीवा में शामिल करने की मांग उठी।

चार महीने से फरार हत्या का आरोपी पकड़ाया, एसपी ने घोषित किया था इनाम

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले की लौर पुलिस ने हत्या के एक इनामी आरोपी को रीवा से गिरफ्तार किया है। 28 साल का प्रवीण तिवारी ग्राम सेमरिया वृन्दावन, थाना लौर का रहने वाला है। आरोपी प्रवीण तिवारी पिछले चार महीने से फरार चल रहा था। 21 मई 2025 को ग्राम खुझवा सुअरहा निवासी मनोज पटेल की हत्या का मामला सामने आया था। विवाद के दौरान आरोपियों ने मनोज पर हमला किया था। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। इस मामले में तीन आरोपी पहले ही जेल भेजे जा चुके थे।

आरोपी पर 10 हजार का इनाम घोषित था: चौथा आरोपी प्रवीण तिवारी घटना के बाद से फरार था। एसपी ने इसकी गिरफ्तारी पर 10,000 का इनाम घोषित किया था। 12 सितंबर को पुलिस ने आरोपी को रायपुर कर्चुलियान, रीवा से गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया। उसके बताए स्थान से हत्या में प्रयुक्त बेसबॉल का डंडा बरामद किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

नगर निगम स्पीकर व्यंकटेश पाण्डेय पुलिस लाइन चौराहा पहुंचे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। नगर निगम स्पीकर व्यंकटेश पाण्डेय ने पुलिस लाइन चौराहा का दौरा किया, जहां उन्होंने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष निवास तिवारी के निर्माणाधीन प्रतिमा स्थल पर चल रहे कार्यों की जानकारी ली। इस दौरान, उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। स्पीकर पाण्डेय ने कहा कि यह प्रतिमा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण प्रतीक है और इसे समय पर पूरा किया जाना चाहिए।

उन्होंने निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों से भी बातचीत की और उन्हें प्रोत्साहित किया। पाण्डेय ने कहा कि इस प्रकार के कार्यों से न केवल स्थानीय लोगों को प्रेरणा मिलेगी, बल्कि यह क्षेत्र की सांस्कृतिक धरोहर को भी दर्शाएगा।

स्पीकर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर ध्यान दें और सुनिश्चित करें कि सभी मानकों का पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रतिमा का निर्माण जल्द से जल्द पूरा किया जाना चाहिए ताकि इसे जनता के समक्ष प्रस्तुत किया जा सके। इस दौरे के दौरान, नगर निगम स्पीकर ने स्थानीय निवासियों से भी बातचीत की और उनकी राय जानी। उन्होंने कहा कि जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना उनकी प्राथमिकता है।

बाल विवाह के खिलाफ धर्म गुरुओं व शहरी काजी का संदेश

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जस्ट राइट द्वारा देशभर में बाल विवाह के खिलाफ चलाए जा रहे हैं मुहिम पर रीवा एवं मऊगंज जिले में सहयोगी संस्था अहिंसा वेलफेयर सोसाइटी एवं सामाजिक संस्था समग्र जन चेतना विकास परिषद ने बाल विवाह को जड़ से खत्म करने के लिए धार्मिक गुरुओं को जोड़ते हुए पूरे समाज में बाल विवाह के खिलाफ समाप्त करने के लिए मुहिम छेड़ी है जिसमें धार्मिक गुरुओं ने भी अपना सहयोग देते हुए समाज से अपील की समाज में बढ़ते बाल विवाह की घटनाओं को रोकने के लिए जिले के प्रमुख धर्मगुरुओं, पंडितों व शहरी काजी ने एकजुट होकर बाल विवाह के खिलाफ सशक्त संदेश दिया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में हिंदू समाज के पंडितों, मुस्लिम समाज के मौलवियों और अन्य सामाजिक प्रतिनिधियों ने कहा कि बाल विवाह न केवल बच्चों के भविष्य को अंधकारमय बनाता है बल्कि यह कानूनन भी अपराध है।

बैठक में धर्मगुरुओं ने स्पष्ट किया कि धर्म की आड़ में किसी भी प्रकार से बाल विवाह उचित नहीं है। शहरी काजी ने कहा कि इस्लाम में भी बाल विवाह की कोई मान्यता नहीं है, जबकि पंडितों ने बताया कि हिंदू धर्मशास्त्रों में भी विवाह योग्य आयु का महत्व बताया गया है। सभी धर्मगुरुओं ने मिलकर लोगों से अपील की कि समाज इस कुप्रथा को समाप्त करने के लिए आगे आए और जागरूकता फैलाए। प्रशासन और पुलिस को भी सहयोग देने की अपील की गई ताकि आगामी विवाह सीजन में बाल विवाह की कोई घटना सामने न आए।

अंत में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी दिनों में गांव-गांव और मोहल्लों में धर्मगुरु लोगों को जागरूक करेंगे तथा यह संदेश देंगे कि बच्चों का विवाह उचित आयु पर ही किया जाए ताकि उनका भविष्य सुरक्षित और उज्ज्वल हो।इस अभियान धर्म गुरु ब्रम्हचारी महराज पचमठा एवं शहर काजी मुफ्ती मुबारक अजहरी छोटी दरगाह ने अपील की साथ ही संस्था अहिंसा वेलफेयर सोसायटी के समन्वयक सुमित सिंह चक्रपाणि मिश्र भी उपस्थित थे।

मऊगंज के बेलौही जलप्रपात में मिला शव, पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से निकाला; पहचान की कोशिश जारी

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बेलौही जलप्रपात में शुक्रवार दोपहर एक अज्ञात शव मिला। ग्रामीणों ने जलधारा में तैरते शव को देखा और पुलिस को सूचना दी। थाना प्रभारी अजय खोबरागड़े पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जलप्रपात की दुर्गम पहाड़ियों और फिसलन भरी चट्टानों के कारण शुक्रवार को रेस्क्यू संभव नहीं हो सका। शनिवार सुबह पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल मऊगंज भेज दिया है। थाना प्रभारी के अनुसार, शव काफी पुराना और क्षतिग्रस्त है। मृत्यु का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट होगा। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। पुलिस ने आसपास के सभी थानों को गुमशुदगी की सूचना भेजी है। शव की शिनाख्त के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला गिरफ्तार

बुआ और उसके प्रेमी सहित चार आरोपियों को कोर्ट ने जेल भेजा; राजस्थान लेकर गए थे

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। चोरहटा थाना क्षेत्र में नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। आरोपी पीड़िता की सगी बुआ का प्रेमी निकला, जिसके साथियों ने भी नाबालिग को अपना शिकार बनाया। पुलिस ने पीड़िता को राजस्थान से बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी आशीष मिश्रा ने बताया कि परिजनों ने चोरहटा थाने में नाबालिग के अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस पर अपराध क्रमांक 460/25 धारा 137 (2) बीएनएस के तहत केस दर्ज हुआ। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर गठित टीम ने साइबर सेल की मदद से नाबालिग को झुंझुनू (राजस्थान) से बरामद किया।

घटना की टाइमलाइन: 4 सितम्बर को पीड़िता थाने पहुंची, 10 सितंबर पुलिस टीम ने आरोपियों को गिरफ्तार किया, 2 दिन के लिए पुलिस रिमांड में लिया, 12 सितम्बर की शाम आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, 12 सितम्बर की रात जेल भेजा गया।

बुआ और प्रेमी ने साथियों संग किया अपहरण: पुलिस पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि उसकी बुआ दिव्या रघुवंशी (परिवर्तित नाम) अपने प्रेमी दावत अली के साथ उसे दीपक कुमार और अंशू कुमार की मदद से राजस्थान ले गई थी। वहां अंशू कुमार ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

चारों आरोपी गिरफ्तार, जेल भेजे: पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बुआ, दावत अली (21), दीपक कुमार (22) और अंशू कुमार (19) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कोर्ट के आदेश पर चारों आरोपियों को केन्द्रीय जेल रीवा भेजा गया है।

रीवा की पूजा तिवारी का एमपीपीएससी 2024 में डीएसपी पद पर चयन

साधारण परिवार से निकल कर बनाई नई पहचान, गांव-क्षेत्र में खुशी की लहर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के ग्राम धवैया सथिनी निवासी पूजा तिवारी ने अपनी मेहनत और लगन से क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित 2024 की परीक्षा के परिणाम में उनका चयन उप पुलिस अधीक्षक (डीएसपी) पद पर हुआ है। इस सफलता की खबर मिलते ही न सिर्फ गांव बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई। लोग लगातार बधाई संदेश दे रहे हैं। पूजा तिवारी वर्तमान में इंदौर में अधीनस्थ लेखा सेवा में पदस्थ हैं, जहां वे 2019 में एमपीपीएससी से चयनित हुई थीं।

परिवार का संघर्ष बना प्रेरणा: पूजा तिवारी एक साधारण परिवार से हैं। उनके पिता रवीन्द्र तिवारी ने बच्चों की पढ़ाई को प्राथमिकता देते हुए कठिन परिश्रम और कर्ज लेकर भी शिक्षा में कोई कमी नहीं आने दी। पूजा अपने भाई-बहनों में सबसे बड़ी हैं। बड़े भाई निजी कंपनी में कार्यरत हैं, जबकि छोटे भाई-बहन भी इंदौर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। उनकी सफलता से प्रेरित होकर वे भी तैयारी में जुटे हैं और पूजा निरंतर उनका मार्गदर्शन करती रहती हैं।

ससुराल पक्ष भी गौरवान्वित: पूजा तिवारी का विवाह त्यौंथर के कोनिया कला निवासी बद्री प्रसाद द्विवेदी के सुपुत्र से हुआ है। इस उपलब्धि पर ससुराल पक्ष सहित पूरा परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है।

क्षेत्र में बधाइयों का तांता: पूजा की इस सफलता पर उनके बाबा बाल्मीकि तिवारी, चाचा पं. नागेंद्र तिवारी सहित पूरे परिवार और ग्रामवासियों ने बधाई दी। वहीं क्षेत्र के प्रमुख नागरिकों में शिवानंद शर्मा (पूर्व उद्यानिकी अधिकारी), सथिनी सरपंच राजेश गौतम, पूर्व प्राचार्य रामनरेश मिश्र, अधिवक्ता संघ मनगवां अध्यक्ष बालेन्द्र तिवारी, एड. हर्ष नारायण गौतम, मीडिया प्रभारी बीरेंद्र गौतम, नीलाम्बर प्रसाद मिश्र, जयराम गौतम समेत कई गणमान्य लोगों ने शुभकामनाएं दीं और इसे क्षेत्र की ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के लिए दिया गया प्रशिक्षण

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा आगामी 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का आयोजन किया जाएगा। स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के सफल संचालन के लिए शहरी स्वास्थ्य कार्यक्रम अंतर्गत कार्यरत सभी मेडिकल ऑफिसर, एएनएम तथा आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संजीव शुक्ला के मार्गदर्शन में प्रदान किया गया। कार्यशाला में गर्भवती महिलाओं की जांच, एनसीडी प्रोग्राम, टीबी मुक्त भारत एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर तक बेहतर स्वास्थ्य प्रदायगी के लिए आवश्यक जानकारी एवं दिशा-निर्देश दिए गए। कार्यशाला में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ केबी गौतम, सौरव पाण्डेय पब्लिक हेल्थ मैनेजर एवं समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थिति रहे। उल्लेखनीय है कि अभियान महिला एवं बाल विकास द्वारा पोषण माह की गतिविधियों के अभिशरण और समन्वय से आयोजित किया जायेगा। अभियान का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मध्यप्रदेश से 17 सितंबर को करेंगे। अभियान का उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी चुनौतियों की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

100 साल से जारी है हनुमना की रामलीला परंपरा

मऊगंज में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पताका पूजन संपन्न, 17 सितंबर से शुरू होगा मंचन

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। हनुमना के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में शुक्रवार शाम को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रामलीला का पताका पूजन संपन्न हुआ। रामलीला समिति की अध्यक्ष ज्योति गुप्ता ने आचार्य पंडित श्रीनाथ मिश्रा के मार्गदर्शन में पूजन कराया। दो घंटे चले इस अनुष्ठान में कलश स्थापना से लेकर पूर्ण वैदिक विधान के साथ पताका की स्थापना की गई।

हनुमना में रामलीला मंचन की परंपरा करीब 100 वर्षों से अबाध रूप से चल रही है। यहां देश की प्रसिद्ध रामलीला मंडलियों ने मंचन किया है। स्वामी रामभूषण दास जी महाराज और अयोध्या की ऐतिहासिक रामलीला मंडली के महंत स्वामी महावीर प्रसाद दीक्षित के मंचन विशेष रूप से याद किए जाते हैं।

कार्यक्रम में समिति ने पूर्व अध्यक्ष के कार्यों को याद किया गया: इस वर्ष रामलीला मंचन 17 सितंबर से प्रारंभ होगा। कार्यक्रम में रामलीला समिति के पूर्व अध्यक्ष सरयू प्रसाद वैद्य के कार्यों को याद किया गया। उन्होंने 2005 और 2006 में अयोध्या की ऐतिहासिक रामलीला का आयोजन कराया था। पूजन में श्रीनाथ गुप्त, शुभवंत किशोर गुप्ता, सुशील कुमार गुप्ता, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष शैलजा गुप्ता, उपाध्यक्ष शरद जय गुप्ता समेत कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। पताका पूजन के साथ ही नगर में रामलीला महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं।

दिव्यांगता की पहचान के लिए लगेंगे स्क्रीनिंग शिविर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दिव्यांगता की त्वरित पहचान के लिए जिला स्तरीय स्क्रीनिक शिविर लगाए जाएंगे। शिविरों में जन्म से 18 वर्ष की आयु के बच्चों की स्क्रीनिंग की जाएगी। इस संबंध में प्रभारी कलेक्टर डॉ सौरभ सोनवणे ने बताया कि शिविरों का आयोजन 15 सितंबर से होगा तथा दो माह की समय सीमा में सभी संभावित दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाएगी। शिविरों का आयोजन के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग, स्कूल शिक्षा, जनजातीय कार्य, सामाजिक न्याय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, आयुष तथा लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के समन्वय से किया जाएगा।

शिविर में जिला मेडिकल बोर्ड के विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा दिव्यांग बच्चों का परीक्षण कर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। स्क्रीनिंग शिविर के आयोजन में विभागों से समन्वय के लिए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को ग्रामीण क्षेत्र का नोडल अधिकारी तथा आयुक्त नगर निगम को शहरी क्षेत्र का नोडल अधिकारी बनाया गया है।

शिविर में चिन्हांकित बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यूडीआई नम्बर प्रदान कर दिए जाएंगे ताकि 30 नवम्बर तक उन्हें शासन की पेंशन व अन्य योजना का लाभ दिलाया जा सके। दिव्यांगता चिन्हांकन शिविर नगर पालिक निगम रीवा में जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र में 15 सितम्बर को आयोजित किया जाएगा।

जबकि नगर परिषद गोविंदगढ़ में 16 सितम्बर को, गुढ़ में 17 सितम्बर को, सेमरिया में 18 सितम्बर को, बैकुंठपुर में 19 सितम्बर को तथा नगर परिषद सिरमौर में 22 सितम्बर को शिविर आयोजित होगा। इसी प्रकार 23 सितम्बर को नगर परिषद डभौरा, 24 सितम्बर को मनगवां, 25 सितम्बर को त्योंथर, 26 सितम्बर को चाकघाट, 3 अक्टूबर को हनुमना, 8 अक्टूबर को नईगढ़ी तथा नगर परिषद मऊगंज में 9 अक्टूबर को दिव्यांगता चिन्हांकन शिविर संबंधित नगर परिषद कार्यालयों में आयोजित होंगे।

ओंकारेश्वर में ढाई साल की मासूम पर कार का पहिया चढ़ा, मौत

खंडवा में रिवर्स आते वाहन की चपेट में आई बच्ची, कार जत; ड्राइवर पर केस

सिया, मृतक

खंडवा, एजेंसी। ओंकारेश्वर में शुक्रवार दोपहर एक बड़ा हादसा हो गया। यूपी से आए एक श्रद्धालु की कार ने रिवर्स लेते हुए मासूम बच्ची को कुचल दिया। बच्ची की मौके पर ही मौत हो गए। आक्रोशित लोगों ने हंगामा कर दिया, जिसके बाद पुलिस ने कार को जब्त कर ड्राइवर के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया हैं। बच्ची की मौत के बाद घटनास्थल पर परिजन फूट-फूटकर रोए हैं। घटना हाट बाजार क्षेत्र में हुई।

कार रिवर्स लेते समय मासूम पर पहिया चढ़ा: यूपी पासिंग वाहन के रिवर्स लेने के बच्ची पिछले पहिए की चपेट में आ गई। ढ़ाई वर्षीय सिया पिता अरुण की मौके पर ही मौत हो गई। सिविल अस्पताल ओंकारेश्वर के डॉ. रवि वर्मा ने बताया कि बालिका को मृत अवस्था में ही अस्पताल लाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजन के सुपुर्द किया जाएगा।मांधाता थाना प्रभारी मांधाता अनोखसिंह सिंदया ने बताया कि गाड़ी और चालक दोनों को पुलिस कस्टडी में लिया गया है। बीएनएस की धारा 106 और 281 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। बच्ची सिया का परिवार मूल रूप से धरमपुरी का रहने वाला हैं। परिवार इस समय ओंकारेश्वर में रह रहा था। बच्ची के पिता ऑटो ड्राइवर हैं।

8 लेन एसप्रेस-वे का हिस्सा धंसा:बारिश से मिट्‌टी का कटाव

रतलाम,एजेंसी। रतलाम से गुजर रहे दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस रोड का साइड का एक हिस्सा बारिश से धंस गया। रोड का यह हिस्सा धामनोद से पंचेड़ जाने वाले मार्ग के बीच से गुजर रहे 8 लेन ब्रिज के पास है। 8 लेन एक्सप्रेस के अधिकारियों के मुताबिक जो हिस्सा धंसा है वह रोड का नहीं है। रोड के साइड किनारे गेबियन वॉल बनाई जाती है उसका हिस्सा है। मार्ग किसी भी तरह से प्रभावित नहीं हुआ है।

बता दें कि दिल्ली से मुंबई तक करीब एक लाख करोड़ रुपए की लागत से 1350 किलोमीटर लंबा एक्सप्रेस वे बनाया है। इस एक्सप्रेस वे का 245 किलोमीटर लंबा हिस्सा मध्यप्रदेश के मंदसौर, रतलाम और झाबुआ क्षेत्र से होकर गुजर रहा है। मध्यप्रदेश में 245 किलोमीटर एक्सप्रेस-वे निर्माण पर 11 हजार 183 करोड़ रुपए का खर्च हुआ है। इसके बावजूद हाल में ही हुई लगातार बारिश ने निर्माण कार्य की पोल खोल कर रख दी है।

रोड के किनारे बनाया जाता है पत्थरों का बेसल रोड किनारे मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए पत्थरों को लोहे के तार बांध कर दीवार बनाई जाती है। जिसे गेबियन वॉल (दीवार) कहा जाता है। उसी का एक हिस्सा धंसा है। 8 लेन के अधिकारियों को इस बारे में बता चला तो इसको सुधारने में जुटे। रोड किनारे गेबियन वॉल को सुधारने के लिए सभी पत्थरों व मिट्टी को निकालकर नए सिरे से सुधारा जा रहा है।

वीडियो सामने आया जिस रोड का हिस्सा धंसा है उसका वीडियो भी सामने आया है। कर्मचारी भी काम करते हुए दिख रहे है। लेकिन अधिकारी उस वीडियो को काम के दौरान का बता रहे हैं।

प्रोजेट मैनेजर ने कहा डेमेज हिस्सा रोड नहीं गेबियन वॉल है

एनएचआई के प्रोजेक्ट मैनेजर संदीप पाटीदार ने बताया बहुत ज्यादा बारिश के कारण गेबियन वॉल का एक हिस्सा डेमेज हुआ था। गेबियन वॉल रोड किनारे बड़े-बड़े पत्थरों को जमा कर लोहे के तार से बांध कर बनाया जाता है। जो मिट्‌टी के कटाव को रोकती है। इसके रिपेयर का तरीका यह है कि पूरी वॉल खोलना पड़ती है। सारे पत्थर हटाकर वापस से जमाए जाते है। अभी वहीं काम चल रहा है। मेन एक्सप्रेस वे पर कोई डैमेज नहीं है। ट्रैफिक चालू है। जो वीडियो आया है वह हमारे द्वारा खोली गई वॉल का है।

क्या होती गेबियन वॉल: गेबियन वॉल एक रिटेनिंग वॉल होती है। जो पत्थर, बजरी या अन्य सामग्री से भरे तार के पिंजरों (मेश केज) से बनाई जाती है।गेबियन वॉल का निर्माण मिट्टी के कटाव और मिट्टी के बहाव को रोकने के लिए कराया जाता है इस वॉल को ढलानों पर बनाया जाता है। एक तरह से यह सुरक्षा घेरा होता है।

लगी नेशनल लोक अदालत:18 हजार मामलों के निपटारे के लिए 24 खंडपीठ गठित

न्यायाधीश बोले : यह त्वरित निपटारे का सबसे अच्छा माध्यम

सीहोर, एजेंसी। सीहोर जिला मुख्यालय में शनिवार को नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश प्रकाश चंद्र आर्य ने किया। कार्यक्रम में विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव न्यायाधीश स्वप्न सिंह सहित कई न्यायाधीश और अधिवक्ता मौजूद रहे।

18 हजार से अधिक मामले आए: इस दौरान प्रधान जिला न्यायाधीश आर्य ने बताया कि लोक अदालत में कुल 18 हजार से अधिक मामले रखे गए हैं। इनमें राजीनामा योग्य 2500 से अधिक और प्रीलिटिगेशन के 15 हजार से अधिक प्रकरण शामिल हैं। इन मामलों के निपटारे के लिए जिले में 24 खंडपीठों की स्थापना की गई है।

न्यायाधीश बोले- यह त्वरित निपटारे का सबसे अच्छा माध्यम: न्यायाधीश आर्य ने कहा कि नेशनल लोक अदालत मामलों के त्वरित निपटारे का सबसे अच्छा माध्यम है।

बालाघाट में सरकारी जमीन को लेकर विवाद

स्व-सहायता समूह पौधारोपण और ग्रामीण आवास के लिए कर रहे दावा, दो पक्षों पर केस

बालाघाट,एजेंसी। बालाघाट के लामता क्षेत्र के पांडेवाड़ा गांव में सरकारी जमीन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मौरिया पंचायत के इस गांव में खसरा नंबर 42 की करीब 3 एकड़ भूमि पर दो पक्ष दावा कर रहे हैं।

एक तरफ मां दुर्गा स्व-सहायता समूह इस जमीन पर पौधारोपण करना चाहता है। समूह की सचिव गंगा टेंभरे का कहना है कि उनके पास ग्राम पंचायत से लेकर कलेक्टर तक के दस्तावेज हैं। वे गांव के पर्यावरण को शुद्ध करने के लिए पौधारोपण कर रहे थे, जिसे दूसरे पक्ष ने उखाड़ दिया।

लोग जमीन का उपयोग रहने के लिए करना चाहते

दूसरी तरफ ग्रामीण इस जमीन को आवासीय उपयोग के लिए चाहते हैं। ग्रामीण सुरेन्द्र मर्सकोले ने बताया कि उन्होंने 28 परिवारों के लिए इस भूमि को चिन्हित किया है।

खरगोन के 14 छात्र प्रांतीय मलखंभ टीम में चयनित, उज्जैन में होगी जनजातीय विभाग की राज्यस्तरीय स्पर्धा

खरगोन,एजेंसी। खरगोन के स्टेडियम ग्राउंड पर जनजातीय कार्य विभाग की राज्य स्तरीय मलखंभ टीम का चयन हुआ। पश्चिम और दक्षिण क्षेत्र की बालक-बालिका टीमों ने इस चयन प्रक्रिया में भाग लिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर प्रदेश स्तरीय टीम का गठन किया गया।देवी अहिल्या उत्कृष्ट स्कूल खरगोन के कुल 14 खिलाड़ियों का चयन हुआ। इनमें 10 छात्र और 4 छात्राएं शामिल हैं। ये सभी खिलाड़ी उज्जैन में आयोजित होने वाली राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे।स्कूल के प्राचार्य राजेंद्र पाटीदार ने चयनित खिलाड़ियों को आगे की तैयारी के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अचयनित खिलाड़ियों को भी कड़ी मेहनत करने की सलाह दी। कार्यक्रम में क्रीड़ा अधिकारी अश्विन गुप्ता, दीपक वाघ, योगेश वाघ, पीटीआई समीम खान, जितेंद्र हिरवे और ललित सिसोदिया उपस्थित रहे।

गाटरघाट में मिला व्यक्ति का शव :नहीं हुई पहचान, पुलिस आसपास कर रही पूछताछ

कटनी। कटनी के गाटरघाट क्षेत्र में शनिवार दोपहर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। राहगीरों ने नदी किनारे शव देखकर पुलिस को सूचना दी। कोतवाली थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची।

मृतक की उम्र 35-40 वर्ष के बीच है। उसने नीले रंग की जींस और सफेद शर्ट पहनी हुई थी। शव की स्थिति से अनुमान है कि मौत कुछ दिन पहले हुई है। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की। शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।कोतवाली थाना प्रभारी अजय सिंह के अनुसार, अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा। पुलिस आस-पास के थानों से गुमशुदा व्यक्तियों की जानकारी जुटा रही है। मामले की हर दिशा में जांच की जा रही है।

नर्मदापुरम में डीएपी-यूरिया की कालाबजारी मामला, जांच करने पहुंचे अफसर

डीएपी-यूरिया को अधिक बेचते तहसीलदार ने पकड़ा था, 4 सदस्यीय टीम कर रही जांच

नर्मदापुरम,एजेंसी। नर्मदापुरम के बांद्राभान रोड पर घानाबढ़ के पास एक दुकान से कालाबाजारी के शक जब्त डीएपी और यूरिया के स्टॉक की जांच शुरू हो गई है। एसडीएम नीता कोरी ने जांच के लिए 11 सितंबर को चार सदस्यीय दल गठित किया। शुक्रवार शाम 4.30 बजे दल जांच करने घानाबढ़ स्थित मोहन खंडेलवाल की दुकान पर पहुंचा।

3 सितंबर से लगी सील खुलवाकर जब्त डीएपी और यूरिया की 170 बोरियों का स्टॉक देखा। टीम ने दुकानदार से डीएपी और यूरिया के खरीदने संबंधी दस्तावेज भी चेक किए। करीब एक घंटे जांच के बाद दुकान में ताला लगाकर दोबारा सील लगाई गई।

नर्मदापुरम जिले में किसानों को डीएपी और यूरिया के लिए परेशानी झेलनी पड़ रही है। इसी बीच कुछ दुकानदार मौका पाकर काला बाजारी कर रहे हैं। 3 सितंबर को इसी शक के चलते बांद्राभान रोड स्थित घानाबढ़ में एसडीएम नीता कोरी के निर्देशन में ग्रामीण तहसीलदार दिव्यांशु नामदेव ने छापा मारा था।

यहां दुकान पर अवैध तरीके से खाद अधिक दामों पर बेची जा रही थी।छापे में मौके पर 170 बोरी डीएपी यूरिया जब्त किया था। जिसमें यूरिया की 78 बोरी और डीएपी की 92 बोरी थी। दुकान को आरआई और पटवारियों की मौजूदगी में सील कर दिया गया था। कार्रवाई का दौरान दुकानदार मोहन खंडेलवाल ने खुद स्वीकार किया था कि खुद के उपयोग के लिए डीएपी और यूरिया डबल लॉक गोदाम नर्मदापुरम से खरीदकर लाया था। इस बीच कुछ किसान को 300रुपए प्रति बोरी में देकर उसकी मदद की दिया।

मामले में दो सवाल को लेकर टीम कर रही जांच

दुकानदार जब उद्देश्य मदद करना था तो उसने निर्धारित दाम से ज्यादा रुपए क्यों लिए क्या दुकानदार के पास डीएपी, यूरिया बेचने के लिए लाइसेंस है

लाइसेंस नहीं तो हो सकती है एफआईआर

कृषि उप संचालक जेआर हेडाऊ ने बताया डीएपी, यूरिया की कालाबजारी के शक में ग्रामीण तहसीलदार ने घानाबढ़ स्थित एक दुकान से बड़ा स्टॉक जब्त किया। जांच के लिए एसडीएम नीता कोरी ने चार सदस्यीय दल बनाया है। जिसमें ग्रामीण तहसीलदार दिव्यांशु नामदेव, सहकारिता निरीक्षक आरके कातुलकर, कृषि विभाग के एसएडीओ राजकुमार उइके, पटवारी यशवंत कुमार जांच कर रहे है। खाद बेचने की जानकारी सामने आई है। अगर उसके पास खाद बेचने और दुकान का लाइसेंस नहीं है तो ऐसी स्थिति में अपराधिक प्रकरण दर्ज हो सकता है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर वैधानिक कार्रवाई होगी।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका भर्ती के लिए आखिरी मौका

19 सितंबर तक ऑफलाइन दावा-आपत्ति स्वीकार, केवल खिलचीपुर में बढ़ेगा समय

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ में आंगनवाड़ी केन्द्रों पर कार्यकर्ता और सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया चल रही है। कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देश पर जिला कार्यक्रम अधिकारी श्यामबाबू खरे ने महत्वपूर्ण जानकारी दी है।जिन आवेदकों ने तकनीकी या अन्य कारणों से ऑनलाइन दावा-आपत्ति दर्ज नहीं की है, वे अब ऑफलाइन माध्यम से आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। आवेदक 19 सितंबर 2025 तक अपने प्रमाणों के साथ आपत्ति जमा कर सकते हैं। आपत्तियां संबंधित परियोजना कार्यालय या जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय के कक्ष क्रमांक 19 में जमा की जा सकती हैं। जिन आवेदकों ने पहले ही ऑनलाइन दावा-आपत्ति दर्ज करा दी है, उन्हें दोबारा ऑफलाइन आपत्ति देने की जरूरत नहीं है। खिलचीपुर परियोजना को छोड़कर अन्य किसी भी परियोजना की आपत्ति निर्धारित तिथि के बाद स्वीकार नहीं की जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए करें संपर्क: भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए यह व्यवस्था की गई है। अधिक जानकारी के लिए आवेदक 81099-24606 और 94254-42257 पर संपर्क कर सकते हैं। यह अंतिम अवसर है जो अंतिम सूची के प्रकाशन से पहले योग्य आवेदकों को दिया जा रहा है।

सड़क किनारे मिली घायल महिला, सिर पर चोट के निशान

निवाड़ी,एजेंसी। निवाड़ी के पास झांसी-खजुराहो राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुंडारा गांव के पास शनिवार सुबह एक महिला घायल अवस्था में मिली। महिला सर्विस रोड के किनारे अचेत पड़ी थी। स्थानीय लोगों ने तुरंत 108 एंबुलेंस को सूचना दी।

एंबुलेंस की टीम ने महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। महिला अभी बयान देने की स्थिति में नहीं है।

महिला की जेब से मिले आधार कार्ड के अनुसार उनका नाम कल्पना है। वे गोपाल चंद अग्रवाल की पत्नी हैं। खून से सना चेहरा होने के कारण पहचान की पूरी पुष्टि नहीं हो पाई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। घटना दुर्घटना है या अन्य कारण, इसकी जांच की जा रही है।

जंगल में पेड़ पर युवक का शव फंदे पर मिला, सागर में घर से नदी की ओर गया था; जांच में जुटी पुलिस

सागर, एजेंसी। सागर के रहली थाना क्षेत्र के मादरा और रेजा तिगड्डा के बीच जंगल में 35 वर्षीय युवक का शव फंदे पर मिला। शव की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए शव अस्पताल भेजा। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है।

मृतक रविकांत उर्फ गुलशन प्रजापति, पिता प्यारेलाल प्रजापति, निवासी नदी मोहल्ला रहली, घर से नदी की ओर गया था। देर तक वापस न आने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू की।

जंगल में मिला शव: शुक्रवार रात करीब 8 बजे रेजा तिगड्डा के जंगल में रविकांत का शव पेड़ पर फंदे पर मिला। सूचना पर रहली पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया।

मोबाइल चोरी गिरोह पकड़ाया:4 लाख की चोरी का खुलासा

छतरपुर,एजेंसी। छतरपुर पुलिस ने ऑपरेशन विश्वास के तहत मोबाइल चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। टीम ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर 26 मोबाइल फोन और एक ऑटो जब्त किया। बरामद सामान की कीमत करीब 4 लाख रुपए आंकी गई है।

एडिशनल एसपी विदिता डांगर ने बताया कि जिले में लगातार मोबाइल चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। इसे रोकने के लिए ऑपरेशन विश्वास चलाया गया। पुलिसकर्मियों को तकनीकी पोर्टल पर मोबाइल खोजने का प्रशिक्षण दिया गया और नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाई गई।

15 प्रकरणों में सक्रिय था गिरोह: जिले में अब तक मोबाइल चोरी के 15 मामले दर्ज थे। इनमें गढ़ी मलहरा और बमीठा में 4-4, राजनगर में 3, मातगुंवा में 2 और गुलगंज व कोतवाली में 1-1 प्रकरण शामिल हैं। जांच के दौरान पुलिस ने एक सक्रिय गिरोह का पता लगाया।

4 आरोपी गिरतार, 26 मोबाइल और ऑटो जत

रक्षाबंधन पर लौटाए गए थे 106 फोन: पुलिस ने हाल ही में रक्षाबंधन पर 21 लाख रुपए कीमत के 106 मोबाइल खोजकर उनके मालिकों को लौटाए थे। इसी कड़ी में चोरी करने वाले गिरोह पर कार्रवाई की गई।

गिरफ्तार आरोपियों में छतरपुर निवासी संदीप कुशवाहा और झारखंड के साहिबगंज जिले के चंदर राय व बीरबल राय शामिल हैं। एक विधि विरुद्ध किशोर को भी पकड़ा गया है। जांच में सामने आया कि गिरोह छतरपुर के साथ अन्य जिलों में भी सक्रिय था। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है।

अनूपपुर पुलिस को बस स्टैंड पर 11 साल बच्चा मिला

अनूपपुर, एजेंसी। अनूपपुर कोतवाली पुलिस ने एक 11 वर्षीय बच्चे को उसके परिवार से मिलाने में सफलता हासिल की है। बच्चा शुक्रवार दोपहर बस स्टैंड पर भटकता हुआ मिला था। आरक्षक प्रकाश तिवारी ने दोपहर करीब 1 बजे ड्यूटी के दौरान बच्चे को देखा। वह उसे थाने ले गए। बच्चे से नाम और पता पूछा। बच्चे ने अपना नाम तुषार यादव बताया और यह भी कि वह सूरजपुर, छत्तीसगढ़ का रहने वाला है। हालांकि, वह अपने माता-पिता का नाम नहीं बता पाया। पुलिस ने बच्चे के खाने-पीने की व्यवस्था की।

कोतवाली निरीक्षक अरविंद जैन ने बच्चे की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की। इस पोस्ट से

बच्चे के परिजनों तक जानकारी पहुंची। बच्चे की मां पार्वती यादव (32) अपने जीजा शिवकुमार यादव और अन्य परिजनों के साथ थाने पहुंची। पार्वती ग्राम गिरवरगंज (पैचरा) सूरजपुर, छत्तीसगढ़ की रहने वाली हैं।

पुलिस ने बच्चे को सकुशल उसकी मां और परिजनों के हवाले कर दिया। परिवार ने बच्चे को सुरक्षित वापस मिलाने के लिए कोतवाली पुलिस का आभार जताया।

महज 39 गेंदों में शतक, फिल साल्ट ने टी20 मैच में बनाया नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी । इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ महज 39 गेंदों में टी20 शतक जड़ा। साल्ट ने यह कारनामा शुक्रवार देर रात मैनचेस्टर में किया। इस पारी के साथ फिल साल्ट ने कुछ बड़े रिकॉर्ड्स भी अपने नाम कर लिए। फिल साल्ट ने 60 गेंदों में 8 छक्कों और 15 चौकों की मदद से 141 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान साल्ट इंग्लैंड की ओर से सबसे तेज टी20 शतक बनाने वाले बल्लेबाज बने। फिल साल्ट ने इस मामले में लियाम लिविंगस्टोन का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, जिन्होंने साल 2021 में नॉटिंघम में पाकिस्तान के विरुद्ध 42 गेंदों में टी20 शतक पूरा किया था। यह इंग्लैंड के किसी बल्लेबाज की टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे बड़ी पारी है। इस लिस्ट में दूसरे पायदान पर भी फिल साल्ट का ही नाम है, जिन्होंने साल 2023 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 119 रन बनाए थे। वहीं, साल 2014 में श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 116 रन बनाने वाले एलेक्स हेल्स लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं। ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर खेले गए इस मुकाबले की बात करें, तो इंग्लैंड ने निर्धारित ओवरों में 2 विकेट खोकर 304 रन बनाए। इस टीम के लिए साल्ट ने 141 रन की पारी खेली, जबकि जोस बटलर ने 30 गेंदों में 7 छक्कों और 8 चौकों की मदद से 83 रन बनाए। इनके अलावा जैकेब बैथेल ने 26, जबकि कप्तान हैरी ब्रूक ने 41 रन टीम के खाते में जोड़े। विपक्षी खेमे से ब्योर्न फोर्टुइन को 2 विकेट हाथ लगे। विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीकी टीम 16.1 ओवरों में महज 158 रन पर सिमट गई। साउथ अफ्रीका की ओर से कप्तान एडन मार्करम ने 20 गेंदों में 41 रन बनाए, जबकि ब्योर्न फोर्टुइन ने 32 रन टीम के खाते में जोड़े। इंग्लैंड की तरफ से जोफ्रा आर्चर ने सर्वाधिक 3 शिकार किए। सैम कर्रन, लियाम डॉसन और विल जैक्स को 2-2 सफलताएं हाथ लगीं। इस मुकाबले को जीतकर इंग्लैंड ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। अगला मैच नॉटिंघम में 14 सितंबर को खेला जाएगा।

विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया श्रृंखला महत्वपूर्ण परीक्षा: भारतीय कोच

8नई दिल्ली ।इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला को विश्व कप से पहले एक बेहतरीन परीक्षा के रूप में देख रही है।

मीडिया से बात करते हुए, भारत के मुख्य कोच अमोल मजूमदार ने कहा कि घरेलू टीम 30 सितंबर से शुरू होने वाले इस बड़े टूर्नामेंट से पहले अपना आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए सीरीज़ जीतना चाहेगी।

मजूमदार ने कहा, यह हमारे लिए बेहद अहम सीरीज़ है और हम दुनिया की शीर्ष टीमों में से एक के खिलाफ खेलने के लिए उत्सुक हैं। हमें नतीजे की बेहतर स्थिति में रहने के लिए सामूहिक रूप से कड़ी मेहनत करनी होगी। खासकर, आगे एक बड़े टूर्नामेंट को देखते हुए। ऑस्ट्रेलिया इतने सालों से एक प्रभावशाली टीम रही है, लेकिन हमारा ध्यान अपनी तैयारी और अपनी योजना को लागू करने के तरीके पर है।

मजूमदार ने इंग्लैंड में टीम के प्रदर्शन की भी तारीफ की, जहाँ भारत ने वनडे सीरीज़ 2-1 से और टी20 सीरीज़ 3-2 से जीती। उन्होंने कहा, इंग्लैंड का हमारा दौरा शानदार रहा और हमें वो सकारात्मक नतीजे मिले जो हम चाहते थे। यह 40 दिनों का शानदार दौरा था। हमने बहुत अच्छा तालमेल बिठाया। यह एक बेहतरीन टीम प्रयास था। स्मृति (मंधाना) ने ट्रेंट ब्रिज में शतक और हरमन (हरमनप्रीत कौर) ने डरहम में शतक लगाया।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ का दूसरा मैच 17 सितंबर को खेला जाएगा, जिसके बाद टीमें 20 सितंबर को होने वाले अंतिम मैच के लिए नई दिल्ली रवाना होंगी। उन्होंने कहा, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेलने में हमेशा दबाव रहता है और खिलाड़ी अब इसके आदी हो चुके हैं। हमने कई घरेलू सीरीज़ खेली हैं और हम दर्शकों की उम्मीदों के आदी हो चुके हैं।

टी20 मैच में 300 का आंकड़ा पार करते ही इंग्लैंड ने रचा इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका के बीच शुक्रवार देर रात मैनचेस्टर में दूसरा टी20 मैच खेला गया, जिसमें इंग्लैंड ने दो विकेट खोकर 304 रन बनाए। इसके बाद इंग्लैंड ने 146 रन से शानदार जीत दर्ज की। टी20 क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहला मौका था, जब किसी फुल मेंबर टीम के खिलाफ 300 रन का आंकड़ा पार हुआ।

साल 2024 में टीम इंडिया ने हैदराबाद में बांग्लादेश के विरुद्ध 6 विकेट खोकर 297 रन बनाए थे। उसी साल भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहान्सबर्ग में महज एक विकेट खोकर 283 रन बना चुकी थी।

अफगानिस्तान ने साल 2019 में आयरलैंड के विरुद्ध 278/3 का स्कोर खड़ा किया था। यह मैच देहरादून में खेला गया। वहीं, साल 2023 में इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन विकेट खोकर 267 रन बनाए थे।

टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में सबसे बड़े स्कोर की बात करें, तो यह कारनामा जिम्बाब्वे के नाम है, जिसने साल 2024 में नैरोबी में चार विकेट खोकर 344 रन बनाए थे। वहीं, नेपाल की टीम साल 2024 में मंगोलिया के खिलाफ 3 विकेट खोकर 314 रन बना चुकी है।

मैनचेस्टर में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड की ओर से फिल साल्ट ने 60 गेंदों में 141 रन की नाबाद पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 8 छक्के और 15 चौके देखने को मिले।

उनके अलावा जोस बटलर ने 30 गेंदों में 83 रन बनाए, जबकि कप्तान हैरी ब्रूक ने 41 रन की पारी खेली। विपक्षी खेमे से ब्योर्न फोर्टुइन को दो सफलताएं हाथ लगीं।

इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 16.1 ओवरों में 158 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए कप्तान एडन मार्करम ने सर्वाधिक 41 रन बनाए, जबकि फोर्टुइन ने 16 गेंदों में 32 रन की पारी खेली।

इंग्लैंड की तरफ से जोफ्रा आर्चर ने तीन शिकार किए, जबकि सैम कर्रन, लियाम डॉसन और विल जैक्स ने 2-2 विकेट निकाले।

इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। अब सीरीज का तीसरा और आखिरी मैच 14 सितंबर को नॉटिंघम में आयोजित होगा।

एशिया कप में यूएई पर भारत की जीत पर कपिल देव ने कहा, मैंने कभी किसी को पांच ओवर में मैच खत्म करते नहीं देखा

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव ने मंगलवार को दुबई में एशिया कप अभियान के उद्घाटन मैच के दौरान महज 58 रनों का पीछा करते हुए यूएई को उसकी घरेलू धरती पर नौ विकेट से हराकर अपनी ताकत का प्रदर्शन किया, जिसके बाद भारतीय टीम ने अपने विचार व्यक्त किए। कुलदीप यादव (4/7) के चार विकेट और शिवम दुबे (3/7) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत यूएई की टीम 13.1 ओवर में सिर्फ़ 57 रन पर ढेर हो गई, जिसमें सिर्फ़ सलामी बल्लेबाज़ अलीशान शराफु (22) और कप्तान मोहम्मद वसीम (19) ही दहाई का आंकड़ा छू पाए। अभिषेक शर्मा और उप-कप्तान शुभमन गिल ने पहली ही गेंद से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की, जिससे भारत ने सिर्फ़ 4.3 ओवर में, यानी सिर्फ़ 27 गेंदों में, लक्ष्य हासिल कर लिया।

भारत और यूएई के बीच एशिया कप 2025 के मैच पर बोलते हुए कपिल देव ने मीडिया से कहा, मैं भारतीय क्रिकेट टीम को शुभकामनाएं देना चाहता हूं। जिस तरह से उन्होंने खेला, मैंने पहले कभी किसी को पांच ओवर में मैच खत्म करते नहीं देखा।

58 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, अभिषेक शर्मा ने बिना समय गंवाए एक छक्का और एक चौका जड़कर शुरुआत की। हैदर अली की पहली गेंद, जो ऑफ स्टंप के बाहर डाली गई थी, पर पंजाबी बल्लेबाज़ ने वाइड लॉन्ग-ऑफ पर एक ज़ोरदार शॉट खेला। अगली गेंद पर, उन्होंने एक्स्ट्रा कवर क्षेत्र के ऊपर से एक स्लैश शॉट खेला। अगली गेंद पर वह कैच-एंड-बॉल से बच गए, लेकिन आखिरी दो गेंदों पर उन्होंने कोई रन नहीं बनाया।

अगले ओवर में उपकप्तान शुभमन गिल ने कट शॉट पर चौका लगाकर और डीप स्क्वायर लेग पर शानदार फ्लिक लगाकर लक्ष्य का लगभग 50 प्रतिशत हिस्सा बचा लिया। इस तरह ओवर की समाप्ति पर भारत का स्कोर 25 रन हो गया।

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए: केदार जाधव

पुणे । पीएम नरेंद्र मोदी 17 सितंबर को अपना 75वां जन्मदिन मनाएंगे। इस मौके पर लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली को लेकर जागरूक करने के लिए पुणे में पुणे ऑन पेडल्स और पुणे वॉकेथॉन का आयोजन हुआ, जिसमें पूर्व भारतीय क्रिकेटर केदार जाधव ने भी हिस्सा लिया।

इस दौरान केदार जाधव ने 14 सितंबर को एशिया कप में खेले जाने वाले भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर प्रतिक्रिया दी।

केदार जाधव ने पत्रकारों से कहा, मैंने पहले ही कहा था, मेरे हिसाब से भारत-पाकिस्तान के बीच यह मुकाबला नहीं खेला जाना चाहिए, लेकिन रविवार को मैच होने जा रहा है।

कुछ दिनों पहले आईएएनएस से बातचीत में पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज अशोक डिंडा ने कहा था कि भारत को पाकिस्तान के साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए। उन्होंने कहा, बतौर खिलाड़ी मैं जरूर चाहूंगा कि भारत-पाकिस्तान आपस में खेलें, लेकिन सबसे पहले मैं एक भारतीय हूं। पाकिस्तान बार-बार हमारे देश पर हमले कर रहा है। ऐसे में उसके साथ कोई संबंध नहीं रखना चाहिए, न ही खेल संबंध। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह भी इस मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रिया दे चुके हैं।

पंचकूला में ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप की शुरुआत

पंचकूला, एजेंसी। हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है। सेक्टर 3 ताऊ देवीलाल स्टेडियम के मल्टीपर्पज हॉल में शनिवार को बैडमिंटन चैंपियनशिप का आगाज हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप के शुभारंभ कार्यक्रम में पहुंचे।

हरियाणा विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता की अध्यक्षता में इस बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन हो रहा है, जिसमें अंडर 15 और 17 आयु समूह के लड़के और लड़कियां हिस्सा ले रही हैं।

इस चैंपियनशिप में देश के अलग-अलग राज्यों से करीब 2,000 खिलाड़ी भाग लेने पहुंचे हैं। इस सेलेक्शन टूर्नामेंट में चुने गए खिलाड़ी चाइना में होने वाली बैडमिंटन चैंपियनशिप में खेलेंगे।

इस चैंपियनशिप के क्वालीफाइंग राउंड मुकाबले 13-17 सितंबर के बीच आयोजित होंगे। मुख्य ड्रॉ के मैच 18-21 सितंबर तक खेले जाएंगे। लड़कियों के क्वालीफाइंग मैच जीरकपुर स्थित एएम बैडमिंटन एकेडमी में होंगे।

अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप से उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकेगा। इसके साथ ही उनकी रैंकिंग में भी असर देखने को मिलेगा, जिससे आगे चलकर वह राष्ट्रीय टीम या बड़े टूर्नामेंट्स में चयनित हो सकें।

हरियाणा बैडमिंटन एसोसिएशन की इस पहल से खिलाड़ियों को कम उम्र में उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिलेगा। खिलाड़ियों के टैलेंट को सामने लाना और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करना ही इस प्रतियोगिता का मकसद है।

इसके साथ ही अश्विनी गुप्ता मेमोरियल ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैंपियनशिप के आयोजन से बैडमिंटन को राज्य और देशभर में लोकप्रिय बनाने में योगदान मिलेगा।

इस आयोजन से खिलाड़ियों में खेल भावना, अनुशासन और टीम स्प्रिट विकसित होगी। इसके साथ ही खिलाड़ी खेल के शुरुआती स्तर पर ही फिटनेस और तकनीकी कौशल में सुधार के लिए प्रेरित होंगे। युवा खिलाड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए मानसिक और तकनीकी रूप से तैयार होंगे।

महाराजा रणजीत सिंह ट्रॉफी:

पीसीए रेड ने दर्ज की 5 विकेट से जीत

चंडीगढ़, एजेंसी। महाराजा रणजीत सिंह ट्रॉफी में पीसीए रेड ने लीग मुकाबले में जीत दर्ज की। उन्होंने पीसीए ग्रे टीम को 5 विकेट से हराया। पीसीए ग्रे के 188/7 रन के जवाब में पीसीए रेड ने 189/5 रन बनाए।

मोहाली में खेले गए लीग मैच में पीसीए ग्रे ने पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 188 रन बनाए। ओपनर प्रभसिमरन सिंह ने 34 गेंद पर 49 रन बनाए और रुषिल श्रीवास्तव ने 32 गेंद पर 47 रन का योगदान दिया। गौरव मरकन ने 38 और वैभव कालरा ने 24 रन टीम के लिए बनाए। अभिनव ने 3 विकेट झटके। गर्व और सुखविंदर ने 2-2 विकेट टीम रेड के लिए चटकाए।

जवाब में उतरी पीसीए रेड ने 20 ओवर में 5 विकेट गंवाकर 189/5 रन बनाए और मुकाबले में जीत दर्ज की। जसकरनवीर सिंह पॉल ने 46 गेंद पर 63 रन की पारी खेली। माधव सिंह ने 30 रन बनाए। कार्तिक शर्मा ने 26 और मयंक गुप्ता ने 30 रन बनाकर टीम रेड को लक्ष्य तक पहुंचाया। अंत में मयंक मार्कंडेय ने नाबाद 21 रन बनाए। विक्रांत राणा ने 2 विकेट लिए। सुमित और आर्यमान को 1-1 सफलता मिली।

दूसरे मैच में पर्पल टीम को मिली जीत: दिन के दूसरे मैच में पीसीए पर्पल ने जीत दर्ज की और उन्होंने टीम ऑरेंज को 7 विकेट से शिकस्त दी। पीसीए ऑरेंज ने पहले खेलते हुए 20 ओवर में 208/4 रन बनाए। युवी गोयल, हरनूर पन्नू और सनवीर सिंह के 50-50 रन के बाद नेहल वढेरा ने नाबाद 41 रन जोड़े। जसन जिंदल ने 2 विकेट निकाले। रमनदीप और विश्वनाथ को 1-1 सफलता मिली। जवाब में उतरी पीसीए पर्पल ने 19 ओवर में 3 विकेट गंवाकर 209/3 रन बनाए। विश्वनाथ प्रताप ने 59 गेंद पर नाबाद 105 रन का योगदान दिया और रमनदीप ने 49 रन बनाए। आर्यन ने 2 विकेट निकाले और उनका साथ देते हुए ईमानजोत ने 1 बल्लेबाज को चलता किया।

पीकेएल-12 : बुल्स की जीत की हैट्रिक

जयपुर को अपने घर में पहले ही मैच में मिली शिकस्त

जयपुर, एजेंसी। बेंगलुरू बुल्स ने अपने डिफेंस के शानदार प्रदर्शन के दम पर सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 12वें सीजन के 29वें मैच में मेजबान जयपुर पिंक पैंथर्स को 27-22 के अंतर से हरा दिया। यह बुल्स की लगातार तीसरी जीत है जबकि जयपुर को घर में खेले गए पहले ही मैच में हार मिली। वैसे जयपुर को पांच मैचों में तीसरी हार मिली है।

छह मैच में बुल्स को तीसरी जीत दिलाने में बुल्क के डिफेंस (13) का अहम योगदान रहा, जिसका नेतृत्व दीपक संकर (5) ने किया। इसके अलावा संजय (3) और सत्यप्पा ने चार अंक लिए। रेड में अलीरेजा मीरजाइन ने 8 अंक लिए। जयपुर के लिए नितिन ने 8 अंक लिए जबकि अली समाधी ने चार अंक लिए लेकिन जयपुर के डिफेंस ने निराश किया। वह पूरे मैच में सिर्फ सात अंक ले सकी। बुल्स इस जीत के साथ पांचवें स्थान पर आ गए हैं।

घर में अपने पहले ही मैच में जयपुर 0-2 से पीछे चल रहे थे लेकिन समाधी और फिर डिफेंस ने उसे बराबरी पर ला दिया। इस

बीच नितिन ने अपनी तीसरी रेड पर दीपक को आउट कर जयपुर को लीड दिला दी। आशीष ने हालांकि समाधी को किक कर स्कोर बराबर कर दिया। फिर बुल्स के डिफेंस ने नितिन को लपक लीड ले ली। अलीरेजा की रेड पर दोनों टीमों को एक-एक अंक मिला और फिर समाधी ने सत्यप्पा को आउट कर शुरुआती 10 मिनट में स्कोर 5-5 से बराबर कर दिया।

ब्रेक के बाद जयपुर ने लगातार दो अंक ले बुल्स को सुपर टैकल की स्थिति में ला दिया। बुल्स को इस स्थिति का लाभ मिला और उसने लगातार दो सुपर टैकल के साथ न सिर्फ 9-8 की लीड ले ली बल्कि आलआउट भी टाल दिया। फिर अलीरेजा और संजय ने बुल्स को 11-8 की लीड दिला दी। जयपुर के लिए सुपर टैकल आन था। दीपक संकर हाई-5 पूरा कर चुके थे। इसी बीच बुल्स ने जयपुर को आलआउट कर हाफटाइम तक 16-9 की लीड ले ली।

हाफटाइम के बाद नितिन ने दो अंक के साथ जयपुर की वापसी सुनिश्चित की लेकिन बुल्स ने लगातार दो अंक के साथ इस प्रयास को नाकाम कर दिया। फिर बुल्स के डिफेंस ने नितिन का शिकार कर लिया। इसके बाद रेजा ने डू ओर डाई रेड पर गणेश का शिकार कर फासला 7 का किया लेकिन बुल्स के डिफेंस ने मीतू को लपक हिसाब बराबर किया। 30 मिनट की समाप्ति तक बुल्स ने 21-15 की लीड बना रखी थी।

बुल्स के डिफेंस ने नितिन को कई बार आउट किया लेकिन उनकी टीम रिवाइव नहीं करा सकी। 34 मिनट के खेल में वह 18 मिनट मैट से बाहर रहे। उनकी गैरमौजूदगी में अंकों का फासला 6-7 के बीच बना रहा। इस बीच साहिल ने संजय को आउट कर नितिन को रिवाइव करा लिया लेकिन वह डैश आउट कर दिए गए। अब बुल्स 26-18 से आगे थे। इसके बाद जयपुर ने वापसी की भरपूर कोशिश की लेकिन लंबे समय तक नितिन की गैरमौजूदगी में यह प्रयास सफल नहीं हो सका।

दौसा जिला क्रिकेट: अंडर -16 की ट्रायल 14 सितंबर को

दौसा, एजेंसी। जिला क्रिकेट संघ द्वारा अंडर 16-टीम चयन के लिए 14 सितंबर को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम में ट्रायल आयोजित की जायेगी । जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया कि आरसीए द्वारा आयोजित अंडर -16 प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

जिले की टीम का चयन ट्रायल दिनांक 14 सितंबर को राजेश पायलट राजकीय स्टेडियम पर सुबह 8-00 बजे ली जाएगी। ट्रायल के लिए आने वाले खिलाड़ियों को अपने मूल दस्तावेज जन्म प्रमाण पत्र डिजिटल, बोनाफाइड प्रमाण पत्र डिजिटल, अपना और अपने माता-पिता के आधार कार्ड और पिछले तीन वर्ष की मार्कशीट ओरिजिनल लाना अनिवार्य है। इस चयन ट्रायल में आने वाले खिलाड़ियों की जन्मतिथि 1.9.2009 के बाद की होना आवश्यक है।

सचिव बृज किशोर उपाध्याय ने बताया गया कि ट्रायल में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों के मैच कराए जाएंगे और उन मैचों के परफार्मेंस के आधार पर टीम का चयन किया जाएगा।दौसा में ग्राउंड नहीं होने की वजह से जयपुर में ट्रायल मैच करवाए जाएंगे।

भू-अर्जन की कार्यवाहियों में लाएं तेजी : अरुण साव

उप मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के कार्यों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने आज विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में शासन द्वारा स्वीकृति प्राप्त सड़क निर्माण के कार्यों के लिए जरूरी भू-अर्जन की कार्यवाहियों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने इस संबंध में जिला कलेक्टर के साथ मिलकर त्वरित कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ ही उन्हें निर्धारित समय पर पूरा करने पर जोर दिया। लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह और प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 के कार्यों की समीक्षा करते हुए कहा कि सड़क, सेतु और भवन निर्माण की सभी परियोजनाओं के कार्यों को समयबद्ध ढंग से आगे बढ़ाते हुए समय-सीमा में पूर्ण करें। उन्होंने कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को फील्ड में सक्रियता व गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त सभी कार्यों में तेजी से भू-अर्जन कर निविदा की कार्यवाही पूर्ण करने और यथाशीघ्र कार्यारंभ करने को कहा।

उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में मौजूद सेतु बंध तथा सभी परिक्षेत्रों के मुख्य अभियंताओं को निर्देशित करते हुए कहा कि अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए प्रस्तावित कार्यों के लिए जरूरी मंजूरी तत्परता से प्रदान करें। उन्होंने डीपीआर बनाते समय ही परियोजना का अच्छे से मूल्यांकन करने को कहा ताकि बजट और कार्य पूर्णता के लिए निर्धारित समय के पुनरीक्षण की जरूरत न पड़े। उन्होंने बरसात के तुरंत बाद प्रदेशभर में सड़कों की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने दिसम्बर तक सभी जिलों में मरम्मत का काम पूर्ण करने को कहा।

साव ने सभी मुख्य अभियंताओं को अगली समीक्षा बैठक के पहले भू-अर्जन, प्राक्कलन, निविदा, कार्य अनुबंध और कार्यादेश से संबंधित सभी कार्यवाहियों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में सड़कों पर पेच रिपेयर के लिए कार्ययोजना के अनुसार अनुबंध एवं कार्यादेश की स्थिति, राष्ट्रीय राजमार्ग तथा ए.डी.बी. के अपूर्ण कार्यों की प्रगति की भी समीक्षा की।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने बदली मंगलू की जिंदगी

सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की नई पहचान बनी योजना

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने जरूरतमंद परिवारों के जीवन में नई रोशनी भर दी है। इसका सबसे जीवंत उदाहरण हैं सुकमा जिले के छिंदगढ़ गाँव निवासी मंगलू, जिनकी जिंदगी अब पूरी तरह बदल चुकी है। कभी वे अपने दो बच्चों के साथ जर्जर और कच्चे घर में रहते थे। बरसात में टपकती छत, गर्मी में तपती दीवारें और सर्दियों में असुरक्षा से भरी ठंडी रातें–ये सब उनके जीवन की कड़वी सच्चाई थीं। लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 1.20 लाख रुपये की सहायता राशि और मनरेगा के तहत मिली मजदूरी से उनके सपनों का पक्का घर बन सका। गाँववालों की मदद और प्रशासन के मार्गदर्शन से कुछ ही महीनों में दो कमरे, साफ रसोई, बिजली और शौचालय से युक्त आधुनिक घर तैयार हो गया। जब मंगलू ने अपने परिवार के साथ नए घर में प्रवेश किया, तो उनकी आँखों से खुशी और राहत के आँसू झलक पड़े। भावुक होकर उन्होंने कहा कि अब मुझे दूसरों के घर शरण नहीं मांगनी पड़ती। मेरा भी अपना घर है। मेरे बच्चे चैन की नींद सोते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना ने मंगलू जैसे हजारों परिवारों को न सिर्फ पक्का घर दिया है, बल्कि उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की नई पहचान भी दिलाई है। यह योजना साबित कर रही है कि सरकार का प्रयास समाज के सबसे वंचित वर्ग तक विकास की रोशनी पहुँचा रहा है। जिला सीईओ मुकुंद ठाकुर ने बताया कि जिले में पात्र परिवारों तक पीएम आवास योजना तेजी से पहुँचाई जा रही है। प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि हर जरूरतमंद को उसका अधिकार मिले। साथ ही, ग्रामीणों को आवास के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार भी उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे सामाजिक सहभागिता और आत्मनिर्भरता दोनों को मजबूती मिल रही है।

पीएम आवास योजना से मिला छत का सहारा

रायपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) अंतर्गत सूरजपुर जिले की महिलाएं आज आत्मनिर्भरता और खुशहाली की नई मिसाल कायम कर रही हैं। ग्राम नरेशपुर की दिव्य ज्योति महिला स्वयं सहायता समूह की सदस्य भाग्य लक्ष्मी तिवारी इसका उत्कृष्ट उदाहरण हैं। तिवारी को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास स्वीकृत हुआ। इस योजना से उन्हें अपने परिवार के लिए पक्के घर का सपना साकार करने का अवसर मिला। हालांकि, उन्हें लगा कि घर का बजट अधिक है और आवंटित राशि से वे बड़ा घर नहीं बना पाएंगी। इसी बीच बिहान योजना ने उनके सपनों को उड़ान दी। बिहान योजना के अंतर्गत एनआरएलएम से सामुदायिक निवेश कोष तथा बैंक लिकेंज के माध्यम से उन्हें 1 लाख 20 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ। इस वित्तीय सहयोग से वे अपने घर को अपेक्षा के अनुरूप बड़ा और सुविधाजनक बनाने में सफल हुईं। तिवारी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना और बिहान योजना के संयोजन से आज उनका सपना साकार हुआ है। अब उनके पास न केवल एक पक्का और सुरक्षित घर है बल्कि आत्मनिर्भर जीवन की नई राह भी खुल गई है। उन्होंने कहा कि आज हमारे पास खुशियों की चाबी है और यह सरकार की योजनाओं के कारण संभव हो सका है। प्रधानमंत्री आवास योजना और बिहान योजना का यह समन्वय ग्रामीण महिलाओं व परिवारों को न केवल आवास उपलब्ध करा रहा है बल्कि आर्थिक संबल भी प्रदान कर रहा है।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्ची की मृत्यु पर हटाए गए

रायपुर। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार आगनबाड़ी केंद्र पदेली स्कूलपारा, सेक्टर- मर्दापाल-02 परियोजना कोण्डागांव-03 में करेंट लगने से एक बच्ची की मृत्यु की घटना पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बर्खास्त किया गया है। वहीं पर्यवेक्षक को निलंबित किया गया है परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना कोंडागांव 3 द्वारा जारी आदेश के अनुसार उक्त घटना में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता श्रीमति धसनी बाई एवं आंगनबाड़ी सहायिका श्रीमति ममता कोर्राम के घोर लापरवाही प्रदर्शित होने के कारण आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को तत्काल प्रभाव से पद से पृथक किया गया है। साथ ही जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार पर्यवेक्षक द्वारा पर्यवेक्षण कार्य में लापरवाही तथा स्वेच्छाचारी आचरण पाये जाने पर छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत संबंधित मनीषा कतलाम, पर्यवेक्षक, सेक्टर मर्दापाल-02 को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जशपुर में महिला एवं बाल विकास समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बैठक ली

महिलाओं और बच्चों के पोषण पर ध्यान देने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने आज जशपुर स्थित जिला पंचायत कार्यालय के सभाकक्ष में में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों की संयुक्त बठैक लेकर दोनों विभागों की योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को आम जनता के हित में योजनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री राजवाड़े ने कहा कि जशपुर मुख्यमंत्री जी का गृह जिला है। इसे आदर्श जिले के रूप में विकसित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि गर्भवती एवं शिशुवती माताओं और बच्चों को गुणवत्तापूर्ण पोषण उपलब्ध कराया जाए तथा रेडी-टू-ईट और टीएचआर वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो।

राजवाड़े ने आंगनबाड़ी केंद्रों की स्वच्छता पर विशेष बल देते हुए कहा कि बरसात के दिनों में विषैले जीव-जंतु का खतरा अधिक रहता है, इसलिए प्रत्येक केंद्र की नियमित सफाई की जानी चाहिए। उन्होंने बच्चों और अभिभावकों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की भी बात कही। मंत्री राजवाड़े ने विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जागरूकता के लिए बेहतर नीति बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन इलाकों में महिला और बच्चों को सुपोषित बनाना तथा कुपोषण को जड़ से समाप्त करना ही सरकार का लक्ष्य है।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सुपरवाइजर बच्चों को पोषण के साथ-साथ औपचारिक शिक्षा का भी ज्ञान दें। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान उन्होंने बुजुर्गों और दिव्यांगों तक सभी शासकीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने और नशा मुक्ति अभियान को व्यापक रूप से चलाने पर बल दिया। बैठक में जशपुर विधायक रायमुनी भगत ,समाज कल्याण विभाग की संचालक रोक्तिमा यादव, महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त संचालक अर्चना राणा सेठ, जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय शर्मा, डिप्टी कलेक्टर समीर बड़ा सहित वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

देश का प्रथम डिजिटली जीवंत संग्रहालय लगभग बनकर तैयार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी राज्योत्सव पर करेंगे संग्रहालय का शुभारंभ

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। नवा रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय लगभग बनकर तैयार हो गया है। देश का पहला डिजिटली संग्रहालय होगा, जहां छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के गौरव गाथा एवं योगदान की जीवंत झांकी देखने को मिलेगी। यह संग्रहालय आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, परिसर में तैयार हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राज्योत्सव के मौके पर छत्तीसगढ़ प्रवास के दौरान इस संग्रहालय के उद्घाटन के मद्देनजर प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने संग्रहालय की निर्माण की प्रगति की समीक्षा की और 30 सितम्बर तक सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा एवं रानी गाइडल्यू की मूर्ति लगाने और संग्रहालय के फर्श पर ट्राईबल कलाकारों की आर्ट्स को अंकित करने के साथ ही संग्रहालय की सुरक्षा व्यवस्था के संबंध में भी अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, छत्तीसगढ़ राज्य अंत्यावसायी निगम के संचालक डॉ. जगदीश कुमार सोनकर, संचालक टीआरटीआई हीना अनिमेष नेताम सहित निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारी और निविदाकार उपस्थित थे।

डिजिटल स्क्रीन पर मिलेगी जनजातीय विद्रोहों की झलक: शहीद वीर नारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छत्तीसगढ़ में हुए विभिन्न आदिवासी विद्रोहों जैसे हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष (1923, 1920) एवं शौर्य के दृश्य का जीवंत प्रदर्शन होगा।

शहीद वीरनारायण सिंह स्मारक सह आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों पर आधारित यह संग्रहालय पूरी तरह से डिजिटली रूप से तैयार किया जा रहा है। आगंतुक डिजिटल स्क्रीन के माध्यम से आदिवासी विद्रोहों की जानकारी ले सकेंगे। इसके अलावा मोबाइल फोन के जरिए भी क्यू आर कोड स्कैन के जरिए देखी जा सकेगी। स्वतंत्रता सेनानियों की जानकारी हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषाओं में उपलब्ध रहेगी।

पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत जागरूकता रथ को

पर्यटन मंत्री अग्रवाल ने दिखाई हरी झंडी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार एवं ग्रामीण-शहरी क्षेत्रों के उपभोक्ताओं को सोलर रूफटॉप लगाने की प्रक्रिया से अवगत कराने हेतु सरगुजा जिले में जागरूकता रथ को आज पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री राजेश अग्रवाल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

यह रथ जिले के सभी सात विकासखण्डों में भ्रमण कर आम नागरिकों को आवेदन से लेकर कार्य पूर्ण होने तक की जानकारी उपलब्ध कराएगा। सरगुजा जिले में वर्तमान में कुल 45,777 घरेलू विद्युत उपभोक्ता पंजीकृत हैं। इनमें से 501 उपभोक्ताओं द्वारा योजना हेतु पंजीयन कराया गया है, जिनमें 497 उपभोक्ता आवेदन की आवश्यक औपचारिकताओं को पूर्ण कर लिया गया है।

करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर :

उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री द्वय अरुण साव और विजय शर्मा ने बस्तर ओलंपिक की तैयारियों की समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री साव के नवा रायपुर स्थित निवास कार्यालय में आज आयोजित बैठक में पिछले वर्ष की तरह इस वर्ष भी बस्तर ओलंपिक का वृहद आयोजन करने इसकी रुपरेखा और व्यवस्थागत तैयारियों पर गहन चर्चा की गई। आगामी अक्टूबर-नवम्बर में होने वाले बस्तर ओलंपिक में तीन स्तरों विकासखंड, जिला और संभाग स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इनमें बस्तर संभाग के सातों जिलों और 32 विकासखंडों के 40 हजार से अधिक खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल और युवा कल्याण विभाग के सचिव यशवंत कुमार, संयुक्त सचिव सुखनाथ अहिरवार और संचालक तनूजा सलाम भी बैठक में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव ने बैठक में कहा कि बस्तर ओलंपिक केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि विकास और खेल का संगम है। यह संगठित रूप से बस्तर के युवाओं के सशक्तीकरण और उनमें नेतृत्व के विकास की पहल है। राज्य सरकार इन रचनात्मक पहलों से बस्तर में भयमुक्त वातावरण बनाकर युवाओं को खेल और उत्सव से जोड़ना चाहती है। उन्होंने बस्तर ओलंपिक के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय कर पुख्ता कार्ययोजना तैयार करते हुए आयोजन के ध्येय वाक्य 'करसाय ता बस्तर बरसाय ता बस्तर' (खेलेगा बस्तर जीतेगा बस्तर) को धरातल पर उतारने के निर्देश दिए। साव ने यूथ आइकॉन घोषित किए गए पिछले वर्ष के विजेता खिलाड़ियों, बस्तर संभाग के सभी खेल अधिकारियों, पी.टी.आई., पंचायत सचिवों, 'बिहान' की महिलाओं और खेल संघों को सक्रियता से जोड़कर बस्तर ओलंपिक को जन-जन तक पहुंचाने को कहा।

उप मुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री विजय शर्मा ने बैठक में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों से कहा कि बस्तर ओलंपिक को यादगार बनाने सभी विभाग अपनी-अपनी भूमिका और कार्यों के अनुरूप जिम्मेदारियों का वहन करें।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने किया 'वृहद रोजगार मेला-2025' का शुभारंभ

आठ चयनित युवाओं को मौके पर ही सौंपे नियुक्ति पत्र

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में आज वृहद रोजगार मेला-2025 का आयोजन किया गया। स्कूल शिक्षा, विधि एवं विधायी कार्य तथा ग्रामोद्योग मंत्री गजेन्द्र यादव ने इस वृहद रोजगार मेला-2025 का शुभारंभ किया।

स्कूल शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने रोजगार मेले में उपस्थित छात्र-छात्राओं से सीधे संवाद किया और उनकी उत्सुकता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह महाविद्यालय उनका पूर्व शिक्षा संस्थान रहा है और इस मंच पर आकर उनकी पुरानी स्मृतियां ताज़ा हो गईं। इस रोजगार मेले में 28 प्रतिष्ठित कंपनियों ने भाग लिया, जिनमें बड़ी संख्या में युवाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर मंत्री यादव ने आठ चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंप कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।

अपने संबोधन में मंत्री यादव ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज एक सक्षम और ऊर्जावान राज्य बन चुका है। राज्य गठन के समय प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी के प्रयासों से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत हुई, जिससे आज प्रत्येक गांव पक्की सड़कों से जुड़ चुका है। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह द्वारा विकसित पीडीएस प्रणाली को पूरे देश में सराहा गया और अपनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्ववर्ती सरकार में राज्य के 702 स्कूल शिक्षक विहीन थे, लेकिन युक्तियुक्तकरण नीति के तहत 10,446 शिक्षकों को ग्रामीण क्षेत्रों में स्थानांतरित कर शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने नई शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि अब विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जो छात्र पारंपरिक पढ़ाई में रुचि नहीं रखते, उन्हें उनकी रुचि के अनुरूप इवेंट मैनेजमेंट, लोक-संस्कृति, गीत-संगीत, वादन आदि क्षेत्रों में प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह, शासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकगण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री सड़क योजना

राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक का दौरा

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत राज्य में बन रही ग्रामीण सड़कों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए अब तृतीय स्तर का निरीक्षण किया जाएगा। इस क्रम में राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक सितंबर माह में राज्य के विभिन्न जिलों का दौरा करेंगे। छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के मुख्य अभियंता एवं राज्य गुणवत्ता समन्वयक से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय ग्रामीण अवसंरचना विकास एजेंसी नई दिल्ली द्वारा जारी निरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार राष्ट्रीय गुणवत्ता समीक्षक अली शाकिर द्वारा सितंबर माह में राज्य के मुंगेली और गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिलो के निर्माण कार्यो का समीक्षा किया जायेगा।

वन मंत्री कश्यप ने पीएम सूर्य घर योजना जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने आज जगदलपुर में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ पावर हाउस चौक स्थित सब स्टेशन से अपनी यात्रा पर निकला है। इस रथ का उद्देश्य शहर और आस-पास के गांवों में घूमकर लोगों को जागरूक कर इस योजना के लाभ और आवेदन प्रक्रिया के बारे में जानकारी देना है। इस अवसर पर वन मंत्री कश्यप ने कहा कि यह योजना लोगों को बिजली के बिल से राहत दिलाने में सहायक होगी। यह केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य देशभर में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत सरकार द्वारा 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है, इसके साथ ही राज्य सरकार द्वारा भी 30 हजार रुपए की सहायता प्रदान की जा रही है। इससे लोगों को अपने घरों में सोलर पैनल लगाना आसान हो गया है।

इस अवसर पर विधायक किरण देव और महापौर संजय पांडे सहित अन्य जनप्रतिनिधि और ऊर्जा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा